Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 179
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
बुधवार,28 जनवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 गणतंत्र दिवस पर निकाली गई झांकियों में एलडीए की 4 मूंगफली से सिर्फ चटनी नहीं, बनाएं सब्जी भी; ये 7 रानी ने मुझे आत्मविश्वास दिया,मदार्नी 3 पर

भारत-ईयू ने की एफटीए की घोषणा

प्रधानमंत्री ने बताया इसे अब तक का सबसे बड़ा व्यापार समझौता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और यूरोप ने मंगलवार को एक महत्वाकांक्षी मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की जिसे अबतक का सबसे बड़ा समझौता कहा जा रहा है। यह समझौता अस्थिर वैश्विक माहौल और अमेरिका की शुल्क नीति के कारण उत्पन्न व्यापार व्यवधानों की पृष्ठभूमि में हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 27 देशों के यूरोपीय संघ के शीर्ष नेताओं उर्सुला वॉन डेर लेयेन और एंटोनियो कोस्टा के साथ वार्ता करने के बाद कहा कि आज भारत ने अपने इतिहास का सबसे बड़ा मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) यूरोपीय संघ के साथ संपन्न किया है। मोदी ने बयान में कहा, यह केवल एक व्यापार समझौता नहीं है। यह साझा समृद्धि के लिए एक नया खाका है। दोनों पक्षों ने रणनीतिक रक्षा साझेदारी समझौते और आवागमन समझौते पर भी हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत-यूरोपीय संघ की साझेदारी से दुनिया को फायदा होगा। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष कोस्टा ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ ने व्यापार, सुरक्षा तथा लोगों के बीच आपसी संपर्क जैसे क्षेत्रों में अपने संबंधों में एक नया अध्याय शुरू किया है। उन्होंने कहा, व्यापार समझौते नियम-आधारित आर्थिक व्यवस्था को सुदृढ़ करते हैं और साझा समृद्धि को बढ़ावा देते हैं। इसीलिए आज का मुक्त व्यापार समझौता ऐतिहासिक महत्व रखता है। यह अब तक के सबसे महत्वाकांक्षी समझौतों में से एक है। वॉन डेर लेयेन ने कहा, हमने श्मदर ऑफ ऑल द डील्स (अब तक का सबसे बड़ा समझौता) किया है। बहुप्रतीक्षित भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता एक अत्यधिक महत्वपूर्ण समझौता है जिसे मदर ऑफ ऑल द डील्स यानी अबतक का सबसे बड़ा समझौता कहा जा रहा है। इससे दोनों देशों के बीच संबंधों की समग्र दिशा में महत्वपूर्ण विस्तार होने की उम्मीद है क्योंकि यह विविध क्षेत्रों में सहयोग के नए अवसर खोलेगा। शिखर सम्मेलन के बाद, दोनों पक्ष मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) वार्ता के समापन की औपचारिक घोषणा करने के लिए एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर करेंगे। समझौते पर औपचारिक हस्ताक्षर करने में कम से कम छह महीने लग सकते हैं क्योंकि दोनों पक्षों द्वारा इसकी कानूनी जांच आवश्यक होगी। यूरोपीय संघ और भारत ने मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत पहली बार 2007 में शुरू की थी, लेकिन कुछ मुद्दों के कारण 2013 में बातचीत स्थगित कर दी गई थी। जून 2022 में फिर से बातचीत शुरू की गई। यूरोपीय संघ एक समूह के रूप में, वस्तुओं के मामले में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वित्त वर्ष 2024-25 में यूरोपीय संघ के साथ भारत का कुल वस्तु व्यापार लगभग 136 अरब अमेरिकी डॉलर का था। इसमें निर्यात करीब 76 अरब अमेरिकी डॉलर और आयात 60 अरब अमेरिकी डॉलर का था। शिखर सम्मेलन में मुख्य तौर पर व्यापार, रक्षा एवं सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों और नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर ध्यान दिया गया। भारत और यूरोपीय संघ 2004 से रणनीतिक साझेदार रहे हैं। प्रस्तावित सुरक्षा एवं रक्षा साझेदारी (एसडीपी) दोनों पक्षों के बीच गहन रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देगी।

बदला मौसम; दून में झमाझम बारिश, केदारनाथ धाम सहित ऊंची चोटियों पर बर्फबारी

चमोली (एजेंसी)। मौसम का मिजाज बदलने से केदारनाथ धाम सहित ऊंची चोटियों पर बर्फबारी हुई। कड़ाके की ठंड के कारण जिला प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से स्कूलों को बंद रखने का आदेश दिया है। उत्तराखंड में मौसम का मिजाज बदलते ही राजधानी दून में झमाझम बारिश हुई तो वहीं केदारनाथ धाम सहित ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी से कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मौसम विभाग की ओर से आज प्रदेश में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। केदारनाथ धाम में देर रात्रि से चारों तरफ पहाड़ों पर हल्की बर्फबारी हो रही है। ज्योर्तिमठ क्षेत्र में भी मौसम बदला हुआ है। ऊंचाई वाले स्थानों में बर्फबारी होने से कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मंगलवार को एक बार फिर मौसम ने करवट ली। आसमान बादलों से ढक गया और ऊंची चोटियों पर बर्फबारी होने लगी। रूपकुंड, नंदा घुघुटी और त्रिशूल में लगातार बर्फबारी जारी है। मौसम विभाग की चेतावनी और प्रशासन की कार्रवाई मौसम विभाग ने आज 27 जनवरी को देहरादून में मौसम के गंभीर होने की आशंका जताई है। जारी किए गए ऑरेंज अलर्ट के अनुसार, क्षेत्र में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश और बर्फबारी हो सकती है। इस स्थिति को देखते हुए, जिला प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से स्कूलों को बंद रखने का आदेश दिया है। यह आदेश केवल देहरादून जिले के लिए लागू है और अन्य जिलों में स्कूलों के संचालन पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

दिल्ली में तीन नाबालिग लड़कों पर छह वर्षीय बच्ची से बलात्कार का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के भजनपुरा इलाके में तीन नाबालिग लड़कों द्वारा छह वर्षीय बच्ची से कथित रूप से बलात्कार किए जाने का मामला सामने आया है और इस संबंध में दो आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना 18 जनवरी को हुई, जिसके बाद बच्ची के परिजनों ने पुलिस से संपर्क किया और भारतीय न्याय संहिता एवं यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) की प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार, तीन लड़कों ने बच्ची को बहला-फुसलाकर उससे कथित रूप से बलात्कार किया। अधिकारी ने कहा, सभी आरोपी नाबालिग हैं और उनकी पहचान कर ली गई है। दो नाबालिग लड़कों को हिरासत में लेकर किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया गया है। तीसरे आरोपी की तलाश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि बच्ची को चिकित्सकीय जांच के लिए ले जाया गया है और उसे आवश्यक देखभाल एवं परामर्श दिया जा रहा है। उसका बयान दर्ज कर लिया गया है और नाबालिगों से जुड़े मामलों से संबंधित प्रावधानों के अनुसार आगे की कानूनी कार्यवाही की जा रही है। अधिकारी ने बताया कि फरार आरोपी का पता लगाने के लिए कई टीम गठित की गई हैं और जांच के तहत आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज तथा स्थानीय खुफिया सूचनाओं का विश्लेषण किया जा रहा है। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच जारी है।

घबराइए मत, हर समस्या का होगा समाधान,

सीएम ने फरियादियों को दिया आश्वासन

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को उनके जनता दर्शन कार्यक्रम में आए फरियादियों को आश्वासन देते हुए कहा कि घबराइए मत, समस्या का समाधान होगा। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया कि सोमवार देर शाम गोरखपुर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास के बाद मंगलवार सुबह जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात की। विज्ञप्ति के अनुसार, सीएम योगी ने लोगों की समस्याओं को ध्यान से सुना, उनके प्रार्थना पत्रों को पढ़ा और फिर उनसे कहा, घबराइए मत, समस्या का समाधान कराया जाएगा। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका त्वरित, गुणवत्तापूर्ण व पारदर्शी निराकरण कराएं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। विज्ञप्ति के अनुसार, कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाए जाने की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। बयान के अनुसार हर बार की तरह जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे जिनसे मुख्यमंत्री ने कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी और सरकार भरपूर आर्थिक मदद देगी।

महाकाल गर्भगृह में बीआईपी कल्चर पर सुप्रीम कोर्ट का बयान, याचिका पर सुनवाई से इनकार

मंदिर प्रबंधन में हस्तक्षेप से किया मना

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर में वीआईपी दर्शन और गर्भगृह में विशेष प्रवेश व्यवस्था को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार करते हुए मंगलवार को कहा कि धार्मिक रीति-रिवाजों और मंदिर में प्रवेश की व्यवस्था तय करना ऐसा मामला नहीं है, जिस पर न्यायालय फैसला करे। भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति आर महादेवन एवं न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने हालांकि याचिकाकर्ता दर्पण अवस्थी की ओर से पेश वकील विष्णु शंकर जैन से कहा कि वह इस बारे में संबंधित प्राधिकरण के सामने अभ्यावेदन पेश करें क्योंकि पीठ याचिका पर विचार करने के लिए इच्छुक नहीं थी

इसलिए जैन ने इस संबंध में अधिकारियों के समक्ष अभ्यावेदन प्रस्तुत करने की छूट के साथ याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी। याचिका में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई थी जिसमें भगवान महाकाल पर जल चढ़ाने के लिए अतिविशिष्ट हस्तियों (वीआईपी) को दी जाने वाली प्राथमिकता के खिलाफ आपत्तियां खारिज कर दी गई थीं। जैन ने कहा कि गर्भगृह में प्रवेश के मामले में हर नागरिक के साथ बराबरी का व्यवहार होना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि मंदिर प्रबंधन में न्यायालय के हस्तक्षेप की एक सीमा होती है और ऐसे मुद्दों पर फैसला उन लोगों को करना है जो व्यवस्था संभालते हैं। उन्होंने कहा, वीआईपी प्रवेश की अनुमति होनी चाहिए या नहीं, यह अदालत तय नहीं करेगी। हमारे सामने सवाल यह है कि क्या यह मामला अदालत में तय किया जा सकता है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि अगर गर्भगृह के भीतर मौलिक अधिकारों को सख्ती से लागू किया गया, तो इसके अनचाहे नतीजे हो सकते हैं। उन्होंने कहा, अगर हम यह मान लें कि अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) गर्भगृह के भीतर लागू होता है तो लोग अनुच्छेद 19 (अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) जैसे दूसरे अधिकार भी मांगने लगेंगे। पहले आप कहेंगे कि कोई और प्रवेश कर रहा है इसलिए मुझे भी प्रवेश का अधिकार है।

उत्तराखंड कांग्रेस की दिल्ली में हाईलेवल मीटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को यहां उत्तराखंड कांग्रेस के नेताओं के साथ बैठक की। बैठक में खरगे तथा राहुल गांधी के अलावा पार्टी महासचिव के सी वेणुगोपाल, उत्तराखंड कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल, प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, राज्य के पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत सहित कई प्रमुख नेता मौजूद थे। बैठक में राज्य विधानसभा के अगले साल प्रस्तावित चुनाव को लेकर पार्टी की रणनीति तथा संगठन को मजबूत बनाने जैसे कई मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया।

समझाने पहुंचे अफसर मगर अलंकार अग्निहोत्री का ये सवाल सुनकर लौटे बैरंग

बरेली (एजेंसी)। कलेक्ट्रेट में धरने पर डटे सिटी मजि स्ट्रेट पद से इस्तीफा देने वाले पीसीएस अफसर अलंकार अग्निहोत्री को मनाने का सिलसिला जारी है। दूसरी तरफ उनको समर्थन देने भी कई संगठन कलेक्ट्रेट पहुंच गए। प्रशासनिक अधिकारियों ने उनको समझाने का काफी प्रयास किया। मगर वह इस बात पर अड़े रहे कि जिलाधिकारी आकर जवाब दें कि फोन पर आपत्तिजनक शब्द किसके लिए कहे गए थे। धरना दे रहे अलंकार अग्निहोत्री को मंगलवार दोपहर एडीएम ई पूर्णिमा सिंह, एडीएम सिटी सौरव दुबे, एडीएम जे देश दीपक सिंह, एसडीएम सदर प्रमोद कुमार व एसपी देहात मनाने पहुंचे। अधिकारियों ने समझाया कि उनकी जो भी बात है उच्चतम स्तर पर उनकी बात सभी सुनने को तैयार हैं। संवाद से ही हल निकाला जा सकता है। इन सब बातों पर अलंकार अग्निहोत्री सिर्फ एक ही बात कहते रहे, क्या आप मुझे अरेस्ट करने आए हैं।

सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार:रिजिजू

बजट सत्र 2026-27: सर्वदलीय बैठक संपन्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार नियम प्रक्रियाओं के तहत काम करती है और वह सभी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। रिजिजू ने सर्वदलीय बैठक के बाद पत्रकारों से कहा कि बजट सत्र में हर चर्चा बजट पर ही केंद्रित होना चाहिए यह नियम कहता है। बजट सत्र में सबसे पहले राष्ट्रपति का अभिभाषण होता है उसके बाद अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की जाती है। उसके बाद बजट पर चर्चा होती है। धन्यवाद प्रस्ताव पर

चर्चा के दौरान सदस्य कई मुद्दे उठा सकते हैं क्योंकि अभिभाषण में सरकार को लेखाजोखा रखा जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार हर बात सुनने के लिए तैयार है। सिर्फ हंगाम करके अगर विपक्ष सदन को नहीं चलने देती है तो तकलीफ होती है। सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तैयार रहती है लेकिन यह बजट सत्र है इसलिए इसमें बजट पर चर्चा करना इसे पास करना एक नियम है। हम लोग नियम से बाहर जाकर कोयी काम नहीं करते हैं। संविधान से देश चलता है कोई अपनी मर्जी से काम नहीं करता है। रिजिजू ने कहा, मैं यह बात बिल्कुल साफ कर देना चाहता हूं। पिछली बार सभी विपक्षी पार्टियों ने मतदाता सूची के गहन विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा की मांग की थी और सरकार ने इसका दायरा बढ़ाया था। हमने चुनाव सुधारों पर चर्चा की जिसमें एसआईआर का मुद्दा भी शामिल था। चुनाव सुधार पर लोकसभा और राज्यसभा में लंबी चर्चा हुई थी जिसमें सभी सदस्यों को पर्याप्त समय दिया गया था। उन्होंने कहा कि विपक्ष अलग फिर से एसआईआर पर बहस या चर्चा चाहते हैं तो यह बेवजह होगा क्योंकि इस पर पहले ही पूरी तरह से चर्चा हो चुकी है।

बीजेपी नेताओं ने शेखों का सम्मान किया लेकिन सूफी मकबरे पर तोड़फोड़ को खुशी से देखा : महबूबा

जम्मू (एजेंसी)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि उसके नेताओं ने पश्चिम एशिया के शेखों के लिए लाल कालीन बिछाया, लेकिन सूफी कवि बाबा बुल्ले शाह के मकबरे में तोड़फोड़ होने पर खुशी से देखते रहे। महबूबा ने एक्स पर पोस्ट किया, भाजपा नेता विदेशों में मस्जिदों में तस्वीरें खिंचवाते हैं और पश्चिम एशिया के शेखों के लिए लाल कालीन बिछाते हैं। लेकिन अपने देश

में, वे सूफी कवि बाबा बुल्ले शाह के मकबरे पर हो रही तोड़फोड़ को खुशी से देखते हैं।श्श पूर्ववर्ती राज्य जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा ने भाजपा पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, यह पाखंड आकस्मिक नहीं बल्कि जानबूझकर किया गया है। बढ़ती गरीबी, व्यापक बेरोजगारी और युवा पीढ़ी से छीने गए भविष्य के लिए जवाबदेह होने से कहीं अधिक आसान सद्भाव के प्रतीकों को नष्ट करना है। महबूबा 24 जनवरी को मसूरी में बाबा बुल्ले शाह की मजार पर दक्षिणपंथी हिंदू कार्यकताओं द्वारा की गई कथित तोड़फोड़ पर प्रतिक्रिया दे रही थीं।

भारत को 99: से अधिक निर्यात के लिए रियायती यूरोपीय संघ बाजार पहुंच मिलेगी: गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार

को कहा कि भारत को यूरोपीय संघ (ईयू) बाजार में मूल्य के हिसाब से अपने 99 प्रतिशत से अधिक निर्यात के लिए रियायती शुल्क पर बाजार पहुंच मिलेगी। इससे घरेलू श्रम-प्रधान क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा। दोनों पक्षों ने 27 जनवरी को मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए वार्ता के समापन की घोषणा की। गोयल ने सोशल मीडिया पर लिखा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष वोंडरलेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा के नेतृत्व में भारत और यूरोपीय संघ ने सबसे बड़े समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। गोयल ने कहा कि यह समझौता देश की वैश्विक व्यापार भागीदारी में एक रणनीतिक उपलब्धि है, जिससे 1.4 अरब लोगों के लिए 20 हजार अरब डॉलर के यूरोपीय संघ बाजार में विशाल अवसर खुलेंगे। उन्होंने कहा, यह ऐसा समझौता है जो हमारे निर्यात के 99 प्रतिशत से अधिक हिस्से को अभूतपूर्व बाजार पहुंच देता है, जिससे हमारे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को जबरदस्त प्रोत्साहन मिलेगा और ह्यमेक इन इंडिया को मजबूती मिलेगी। उन्होंने बताया कि यह साझेदारी दुनिया की चौथी और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच हुई है।

यूजीसी कार्यालय के बाहर छात्रों का प्रदर्शन, नए नियमों के खिलाफ दिल्ली की सड़कों पर उतरे छात्र समुदाय

नई दिल्ली (एजेंसी)। सामान्य वर्ग के छात्रों ने दिल्ली में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) मुख्यालय के बाहर मंगलवार को प्रदर्शन का आह्वान करते हुए कहा कि आयोग द्वारा जारी नए विनियम परिसरों में अराजकता पैदा कर सकते हैं। प्रदर्शन का आह्वान करने वालों ने छात्र समुदाय से एकजुटता की अपील की, उनसे श्श्यूजीसी के भेदभाव को नाश्श कहने का आग्रह किया और बड़ी संख्या में इकट्ठा होकर अपना विरोध दर्ज कराने का अनुरोध किया। यूजीसी द्वारा 13 जनवरी को अधिसूचित श्उच्च शिक्षा संस्थानों में

समानता को बढ़ावा देने संबंधी विनियम, 2026श की सामान्य श्रेणी के छात्रों ने व्यापक पैमाने पर आलोचना की है और उनका तर्क है कि यह ढांचा उनके खिलाफ भेदभाव का कारण बन सकता है। महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में जाति-आधारित भेदभाव रोकने के लिए लाए गए नए विनियमों के तहत यूजीसी ने संस्थानों से शिकायतों के निपटारे के लिए विशेष समितियां, हेल्पलाइन और निगरानी दल गठित करने को कहा है ताकि खासकर अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों की शिकायतों का समाधान किया जा सके। दिल्ली विश्वविद्यालय में पीएचडी के छात्र आलोकित त्रिपाठी ने न्यूज एजेंसी से कहा कि नए नियमों से महाविद्यालयों में पूरी तरह अराजकता पैदा हो जाएगी क्योंकि अब प्रमाण का बोझ पूरी तरह आरोपी पर डाल दिया जाएगा और गलत आरोप झेलने वाले छात्रों के लिए कोई सुरक्षा प्रावधान नहीं है। त्रिपाठी ने कहा, नए विनियम दमनकारी प्रकृति के हैं। पीड़ित की परिभाषा पहले से तय है। परिसर में पीड़ित कोई भी हो सकता है।

सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में ध्वजारोहण करते हुये महाप्रबन्धक उदय बोरवणकर

गोरखपुर,: महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर ने 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी, 2026 को सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उन्होंने रेलवे सुरक्षा बल के जवानों, नागरिक सुरक्षा संगठन, पूर्वोत्तर रेलवे भारत स्काउट एवं गाइड के सदस्यों तथा पूर्वोत्तर रेलवे विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत परेड की सलामी ली। गणतंत्र दिवस की सभी को बधाई एवं शुभकामनायें देते हुये महाप्रबन्धक ने कहा कि आज का दिन हम सभी को अपने संविधान के प्रति निष्ठावान रहने की प्रेरणा देता है। इस राष्ट्रीय पर्व पर मैं भारतीय रेलवे के उन सभी निष्ठावान कर्मियों को नमन करता हूँ, जिनके श्रम से रेल का चक्का निरन्तर चलता रहा है।

महाप्रबन्धक ने कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे अपने तीनों मंडलों- इज्जतनगर, वाराणसी एवं लखनऊ के 505 स्टेशनों के माध्यम से यात्रियों को निरंतर सुरक्षित, संरक्षित एवं आरामदायक यात्रा सुविधा उपलब्ध करा रहा है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कर कमलों से, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा पुनर्विकसित 12 अमृत स्टेशनों का उद्घाटन वर्ष 2025 में सम्पन्न हुआ। लखीमपुर, गोमती नगर, गुरसहायगंज, लखनऊ सिटी एवं खलीलाबाद स्टेशनों के पुनर्विकास का कार्य भी पूर्ण हो चुका है। 08 नवम्बर, 2025 को बनारस स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा देश को 04 वंदे भारत टेज्नों की सौगात दी गई। प्रयागराज में चल रहे माघ मेला के लिये बड़ी संख्या में जाने वाले श्रद्धालुओं के लिये व्यापक प्रबन्ध किये गये हैं। पूर्वोत्तर रेलवे की आधारभूत संरचना का सुदृढ़ीकरण एवं कार्यप्रणाली का आधुनिकीकरण कर यात्रियों को बेहतर एवं द्रुतगामी सुविधा देने की ओर निरन्तर अग्रसर हैं। महाप्रबन्धक ने कहा कि इस रेलवे पर कुल 64 किमी. दोहरीकरण एवं तीसरी लाइन तथा बहराइच-नेपालगंज रोड खंड के आमान परिवर्तन का कार्य किया गया। पूर्वोत्तर रेलवे, पूर्ण रूप से बड़ी लाइन में परिवर्तित हो गई। एक मात्र मीटर गेज खंड मैलानी-नानपारा को धरोहर के रूप में संरक्षित रखा गया है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे पर 96 किमी. के रेलपथ खंड की गति बढ़ाकर 110 किमी. प्रति घंटा की गई और अब हमें 130 किमी. प्रति घंटा की गति हेतु कार्य करना है। ट्रेन शेड डिपो, सी.बी.गंज में 08 कार मेमू रेकों को 12 कार मेमू रेकों में परिवर्तित किया गया। यह कार्य पूर्वोत्तर रेलवे पर प्रथम बार सम्पन्न हुआ। 10 स्टेशनों पर दिव्यांगजन हेतु सुविधायें बढ़ाई गईं। 107 स्टेशनों पर अनारक्षित टिकट वितरण हेतु 211 नये स्मार्ट कार्ड आधारित ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन (ए.टी.वी.एम.) स्थापित हैं। 12 नई ट्रेनों का नियमित संचलन वर्ष 2025 में पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से अथवा पूर्वोत्तर रेलवे से होकर शुरू हुआ, जिसमें 03 वंदे भारत एवं 07 अमृत भारत ट्रेनें शामिल हैं। श्री बोरवणकर ने कहा कि 242 किमी. पूर्ण ट्रैक नवीनीकरण, 389 किमी. रेल नवीनीकरण का कार्य सम्पन्न होने के साथ-साथ कुल 11 समपारों को समाप्त किया गया तथा 12 लिमिटेड हाइट सब-वे एवं 08 सड़क उपरिगामी पुल (आर.ओ.बी.) का निर्माण पूर्ण किया गया। 15 समपारों की इंटरलॉकिंग का कार्य पूर्ण करने के साथ ही 39 समपारों पर इलेक्ट्रिक लिफ्टिंग बैरियर एवं 17 समपारों पर स्लाइडिंग बूम बैरियर का प्रावधान किया गया। संरक्षित गाड़ी संचलन हेतु ट्रैक के किनारे 208 किमी. में फेंसिंग लगाई गई और यह कार्य प्रगति पर है। सिंगल यूज प्लास्टिक की रोकथाम के लिये अभिनव प्रयोग के रूप में निष्प्रयोज्य लिनेन से 4,000 थैले तैयार कर यात्रियों से प्लास्टिक थैला लेकर उन्हें कपड़े का थैला दिया गया। तीनों मंडलों द्वारा नये उद्यान बनाये गये तथा लखनऊ मंडल में दो कर्मचारी मनोरंजन स्थलों का पुनरूद्धार किया गया।

कंपोजिट विद्यालय सिंहवार में देशभक्ति के उत्साह के साथ मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

वाराणसी: 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर कंपोजिट विद्यालय सिंहवार में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान मरजादी देवी जी ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। इसके उपरांत उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए गणतंत्र दिवस के ऐतिहासिक एवं संवैधानिक महत्व पर प्रकाश डाला तथा देश के प्रति कर्तव्यबोध और अनुशासन की भावना विकसित करने का संदेश दिया। समस्त देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। भारत की आन-बान और शान का प्रतीक यह राष्ट्रीय महापर्व सभी के जीवन में नई ऊर्जा और नए उत्साह का संचार करे तथा विकसित भारत का संकल्प और अधिक सुदृढ़ हो—यही कामना की गई। इस अवसर पर विद्यालय के इ. प्रधानाध्यापक महेन्द्र लाल, ब्लॉक अध्यक्ष ज्योति भूषण त्रिपाठी का स्नेहिल आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही, जिससे संपूर्ण वातावरण देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। इस अवसर पर अध्यापिका नईम फातिमा, अध्यापक प्रताप नारायण सिंह, सच्चिदानंद सिंह, श्रीकान्त तिवारी, विकास सिंह, चंद्रहास तिवारी, प्रधान पुत्र विकास यादव, गांव लालचंद एवं स्कूल के भारी संख्या में बच्चे उपस्थित रहे।

सरस्वती पूजा में शामिल होने के लिए निकला था युवक पेड़ से लटकता मिला शव

बलिया। बलिया जिले में एक युवक घर से सरस्वती पूजा में शामिल होने की बात कहकर निकला था। देर रात तक उसका कुछ पता नहीं चला तो घरवाले परेशान हो गए। इधर, उसका शव पेड़ से लटका मिला तो घर में कोहराम मच गया। बलिया जिले के भीमपुरा थाना क्षेत्र के जननायक चंद्रशेखर अस्पताल के सामने पेड़ पर विक्की पटेल का शव लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई। वहीं ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल कर शव को पेड़ से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। फॉरेंसिक टीम ने मौके का गहन निरीक्षण करते हुए मौके पर दो जोड़ी चप्पल भी बरामद किया। क्या है मामला इब्राहिमपट्टी निवासी राजेश पटेल का इकलौता पुत्र विक्की पटेल (25) सोमवार को सरस्वती पूजा में शामिल होने के लिए घर से गया था। देर शाम को अपने मित्रों के साथ घूमता हुए नजर आया। उसके बाद से कब और कैसे उसका शव सागौन के पेड़ से लटक गया, इसकी जानकारी किसी को नहीं है। ऐसे में यह प्रश्न का विषय बना हुआ है। घटना से मृकर के माता- पिता का रो- रोकर बुरा हाल है।

यूजीसी एक्ट 2026 के प्रावधानों का विरोध प्रतिनिधिमंडल ने सांसदों को सौंपा ज्ञापन

कानपुर। सनातन मठ मंदिर रक्षा समिति ने यूजीसी एक्ट 2026 के प्रावधानों को भेदभावपूर्ण बताते हुए कानपुर और अकबरपुर सांसदों को ज्ञापन सौंपा और सभी छात्रों के लिए समान नियमों की मांग की। कानपुर में यूजीसी एक्ट 2026 के तहत बनाए गए कुछ प्रावधानों को संविधान विरोधी एवं सामाजिक सौहार्द के लिए घातक बताते हुए सनातन मठ मंदिर रक्षा समिति के प्रतिनिधिमंडल ने अकबरपुर व कानपुर सांसद को ज्ञापन सौंपा। कहा कि नियम सभी छात्रों पर समान रूप से लागू किए जाएं।

अवैध असलहा फैक्टरी का भंडाफोड़ पुलिस ने तीन युवकों को दबोचा सात निर्मित व तीन अर्धनिर्मित तमंचे बराम

कानपुर। कर्नलगंज पुलिस ने बकरमंडी के दो युवकों और उन्नाव के एक शख्स को गिरफ्तार कर अवैध असलहा फैक्टरी का भंडाफोड़ किया है। इनके पास से 10 तमंचे बरामद हुए हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। कानपुर में कर्नलगंज पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार कर तमंचा फैक्टरी पकड़ी है। तीनों के पास से सात निर्मित और तीन अर्धनिर्मित असलहे बरामद किए। गिरोह तमंचे कानपुर समेत कई जिलों को बेच रहा था।

यूजीसी की नीतियों के खिलाफ सवर्ण आर्मी का प्रदर्शन ज्ञापन सौंपकर जताया विरोध

सोनभद्र। सोनभद्र जिले में यूजीसी को लेकर प्रदर्शन शुरू हो गया है। मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में सवर्ण आर्मी के बैनर तले प्रदर्शन किया गया। सोनभद्र में यूजीसी की नई नीतियों और प्रस्तावित कानून के विरोध में सवर्ण आर्मी के बैनर तले मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार और यूजीसी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए इसे छात्र हितों के विपरीत बताया और तत्काल वापस लेने की मांग की। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्र, युवा और समाज के लोग शामिल रहे। कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि यूजीसी का नया कानून शिक्षा के क्षेत्र में असमानता बढ़ाएगा और विभिन्न वर्गों के बीच टकराव की स्थिति पैदा करेगा। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द विचार नहीं किया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस दौरान जिलाध्यक्ष अशोक दुबे के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने एडीएम को ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष अशोक दुबे ने कहा कि यूजीसी को लेकर पूरे देश में विरोध हो रहा है। सरकार द्वारा लाया गया यह कानून गलत तरीके से लागू किया गया है, जिसमें एक वर्ग विशेष को संरक्षण दिया गया है। इससे सामान्य, ओबीसी, एससी और एसटी वर्ग के छात्रों के बीच संघर्ष की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कानून जातिवाद को बढ़ावा देने वाला है। अशोक दुबे ने कहा कि बिना समुचित जांच के सामान्य वर्ग के छात्रों पर कार्रवाई की व्यवस्था की गई है, जबकि अन्य वर्गों के मामलों में समान प्रक्रिया नहीं अपनाई जाती। इससे छात्रों में असंतोष बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि 22 फरवरी को दिल्ली के जंतर-मंतर पर भी बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। जिला महिला सचिव आरती पांडेय ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में इस तरह का विभाजन समानता के सिद्धांत के खिलाफ है। यूजीसी एक्ट में सवर्ण समाज के साथ भेदभाव की प्रक्रिया अपनाई गई है। इससे समाज में आपसी तनाव बढ़ रहा है। उन्होंने मांग की कि जातिगत आरक्षण समाप्त कर सभी को समान अवसर दिया जाए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि छात्र हितों की अनदेखी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि सरकार ने यूजीसी बिल को वापस नहीं लिया, तो आंदोलन को प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर और व्यापक रूप दिया जाएगा।

साध्वी प्राची बोलीं, संतों का काम साधना करना है, हर जगह बोलना ठीक नहीं

अलीगढ(संवाददाता)। देश को आजादी तकली और चरखे से नहीं, बल्कि भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों के बलिदान से मिली है। इसके बावजूद चरखे वालों को राष्ट्रपिता घोषित कर दिया गया। इतिहास से तकली और चरखे वाली कहावत को उखाड़ फेंकना चाहिए। अगर किसी को राष्ट्रपिता कहना ही है तो सरहिंद की दीवारों से पूछिए कि बलिदान क्या होता है। फतेह सिंह और जोरावर सिंह के पिता गुरु गोविंद सिंह को राष्ट्रपिता घोषित किया जाना चाहिए, जिनके बच्चों को दीवारों में चुनवा दिया गया था। ये बातें साध्वी प्राची ने अलीगढ़ में कही। वह रविवार को अचलताल स्थित रामलीला मैदान में हिंदू सम्मेलन को संबोधित कर रही थी। साध्वी प्राची ने कहा देश में आजादी के बाद केवल सत्ता का हस्तांतरण हुआ। काले अंग्रेजों ने सत्ता संभाली और गोरों के बनाए नियम-कानून ही देश पर थोप दिए गए। जिन लोगों का मत और संप्रदाय केवल 1400 साल पुराना है, उनके 56 देश हैं और जिनकी संस्कृति 2000 साल पुरानी है, उनके 84 देश। ये सभी हिंदुस्तान के टुकड़े काट-काटकर बनाए गए हैं। हिंदुओं का कोई अलग देश नहीं है, केवल एक ही देश हिंदुस्तान है। अगर हिंदुस्तान नहीं रहा तो इंसानियत भी खत्म हो जाएगी। साध्वी प्राची ने समाज में बढ़ती चुप्पी और डर पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि बच्चों, खासकर लड़कियों को कायर बनाया जा रहा है। अगर किसी बहन-बेटी के साथ गलत होता है तो उसे चुप रहने की सीख दी जाती है, जो बेहद गलत मानसिकता है। उन्होंने युवाओं से भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस, अशफाक उल्लाह खान और चंद्रशेखर आजाद जैसे क्रांतिकारियों का जीवन पढ़ने की अपील की। महिलाओं को संदेश देते हुए कहा कि रील बनाने के चक्कर में रीयल जिंदगी छूटती जा रही है। रील छोड़िए और वास्तविक जीवन जीना शुरू कीजिए। साध्वी प्राची ने संविधान की धारा 13 का जिक्र करते हुए कहा कि एक विशेष समुदाय को केवल अपने धर्म की शिक्षा देने का अधिकार दिया गया है, जबकि हिंदू अपने बच्चों को अपने धर्म की शिक्षा स्कूलों में नहीं दे सकते। मदरसों में हिंदुओं को काफिर बताकर उनकी गर्दन काटने जैसी बातें सिखाई जाती हैं और इसकी तनख्वाह हिंदुओं के टैक्स से दी जाती है। यह व्यवस्था नहीं चलनी चाहिए और धारा 13 को भी हटाया जाना चाहिए। साध्वी प्राची ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से जुड़े हालिया विवाद पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि संतों का काम साधना करना होता है, हर जगह उत्तर-प्रत्युत्तर करना नहीं। महाराज जी का व्यवहार पूरे देश में छिछोरापन बनकर सामने आ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार बहुत अच्छा काम कर रही है और बेवजह इतना बड़ा विवाद खड़ा करना ठीक नहीं है। अगर मौका मिला तो वह खुद मिलकर उन्हें शांत रहने की सलाह देंगी। साध्वी प्राची ने कहा कि माघ मेले और कुंभ में सरकार की ओर से बड़ी और बेहतर व्यवस्थाएं होती हैं। जब संतों से पैदल जाने को कहा गया था तो उन्हें भी जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि अब पूरे देश में जो छीछालेदर हो रही है, वह गलत है। विवाद का पटाक्षेप तभी होगा जब स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद शांत होंगे। सरकार हिंदुओं की सरकार है। पहले की सरकारों में उन्होंने ऐसा हंगामा क्यों नहीं किया? अखिलेश यादव की सरकार में तो लाठियां तक चली थीं।

यूपी बार काउंसिल चुनाव बैरिकेडिंग के बीच अधिवक्ता डाल रहे वोट

कानपुर। कानपुर में बार काउंसिल चुनाव के तीसरे चरण का मतदान पुलिस की कड़ी सुरक्षा और बैरिकेडिंग के बीच शांतिपूर्वक चल रहा है। सड़कों पर प्रत्याशियों के कैंप और रूट डायवर्जन के कारण जाम की स्थिति बनी हुई है। कानपुर में यूपी बार काउंसिल चुनाव के तीसरे चरण के लिए मंगलवार को कानपुर में मतदान शुरू हो गया है। पुलिस की चाक चौबंद व्यवस्था और न्यायिक अधिकारियों की देखरेख में मतदान प्रक्रिया शुरू हुई। न्यायालय भवन के भूतल पर स्थित मतदान केंद्र पर मतदाताओं को वोट डालने की व्यवस्था की गई है। कचहरी स्थित शताब्दी द्वार से न्यायालय भवन तक बैरिकेडिंग लगा दी गई है। इसी से होकर मतदाता मतदान स्थल तक पहुंचकर मतदान कर रहे हैं और न्यायालय भवन के पीछे की तरफ हनुमान मंदिर के पास स्थित द्वार से निकलने की व्यवस्था की गई है। मतदान शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा है। फायर ब्रिगेड की गाड़ी व स्पेशल फोर्स भी तैनात प्रदेश भर में जहां 333 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। वहीं, कानपुर नगर से ही 26 प्रत्याशी भाग्य आजमा रहे हैं। चुनाव के चलते कचहरी के आसपास की सड़कों पर जाम लगा हुआ है। कचहरी आने जाने वाले रास्तों पर लगभग 100 मीटर दूरी पर बैरीकेडिंग कटिंग रोक दिया गया है। सड़कों पर प्रत्याशियों ने कैंप लगा रखे हैं। किसी अप्रिय घटना से निपटने के लिए फायर ब्रिगेड की गाड़ी व स्पेशल फोर्स भी तैनात है।

संक्षिप्त खबरें

नेपाल भागने की फिराक में था विकास सिंह नरवे वाराणसी पुलिस ने सिद्धार्थनगर से दबोचा

वाराणसी। वाराणसी पुलिस ने कफ सिरप कांड के आरोपी विकास सिंह नरवे को गिरफ्तार किया है। पुलिस को काफी समय से उसकी तलाश थी। कोडीन युक्त कफ सिरप के अवैध कारोबार के खिलाफ एक्शन जारी है। वाराणसी पुलिस ने कफ सिरप तस्करी के सरगना शुभम जायसवाल के करीबी विकास सिंह नरवे को नेपाल बॉर्डर के पास सिद्धार्थनगर से गिरफ्तार किया है। वह नेपाल भागने की फिराक में था। शुभम जायसवाल के बड़े राजदार की गिरफ्तारी से हड़कंप मच गया है। पुलिस अब विकास सिंह को लेकर वाराणसी आ रही है। कौन है विकास सिंह नरवे आजमगढ़ जिले के बरदह थाना क्षेत्र के नरवे गांव निवासी विकास सिंह की तलाश में एसटीएफ की टीम काफी समय से जुटी थी। कई बार उसके घर पर टीम ने गिरफ्तारी के लिए दबिश भी दी, लेकिन टीम को आरोपी नहीं मिला। आरोपी पहले से ही भागा हुआ था। टीम ने घरवालों से भी पूछताछ की थी। नरवे गांव निवासी विकास सिंह का एक मकान जौनपुर जनपद में भी है। बताया जा रहा है कि वहीं कोडीन युक्त कफ सिरप के अवैध कारोबारी से संपर्क में आने के बाद उसने इस धंधे में कदम रखा। करीब तीन महीने से विकास सिंह भूमिगत था। उसकी गिरफ्तारी के लिए एसटीएफ और एसआईटी दबिश दे रही थी। बता दें कि नवंबर माह में उसकी दादी की तेरहवीं में भी वह शामिल नहीं हुआ था। पुलिस के अनुसार आरोपी मार्टीनगंज ब्लॉक में प्रमुख पद के लिए तैयारी कर रहा था। क्षेत्र में उसके चुनावी पोस्टर भी लगे हैं।

एसडीएम कार ने ई-रिक्शा सवार छात्रों को टक्कर मारी,4 बच्चे घायल

अलीगढ(संवाददाता)। अलीगढ़ में मंगलवार सुबह एसडीएम की कार ने एक ई-रिक्शा सवार छात्राओं को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ई-रिक्शा पलट गया और मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोग दौड़कर बच्चों को उठाने लगे। हादसे में बच्चों के सिर और हाथ में चोटें आईं। दर्द से बच्चे रोते रहे, लेकिन एसडीएम कार में बैठी रहीं और बाहर नहीं निकली। इसके बाद वह कासगंज के लिए रवाना हो गईं। स्थानीय लोगों ने घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक इलाज के बाद अधिकांश बच्चों को घर भेज दिया गया। यह घटना घंटाघर चौराहे के पास हुई। एसडीएम अंजली गंगवार कासगंज के सहावर में तैनात हैं। ई-रिक्शा चालक वसीम ने बताया- मैं प्रतिदिन अपने ई-रिक्शा से बच्चों को अलीगढ़ पब्लिक स्कूल छोड़ता हूं। मंगलवार सुबह मैं छह बच्चों को लेकर धीरे-धीरे स्कूल जा रहा था। जैसे ही हम घंटाघर चौराहे के पास पहुंचे, तेज रफ्तार एसडीएम की कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से ई-रिक्शा पलट गया और कुछ बच्चे इसके चपेट में आ गए। उन्हें चोटें आईं और बच्चे दर्द से रो रहे थे। मौके पर मौजूद लोग दौड़कर पहुंचे और कार को रोक लिया। कार में देखा गया कि कुड मैडम बैठी थीं। हालांकि बच्चे चोटिल और रो रहे थे, एसडीएम नीचे नहीं उतरीं। लोगों के इकट्ठा होने के बाद कुछ देर के लिए एसडीएम कार से बाहर आईं, लेकिन इसी बीच उनके ड्राइवर ने गाड़ी लेकर वहां से भाग लिया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने घायल छात्रों को इलाज के लिए जिला मलखान सिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं, सूचना मिलते ही छात्रों के परिजन हॉस्पिटल गए। वहां पर इलाज बाद छात्रों को घर भेज दिया गया। थाना प्रभारी सिविल लाइंस विनोद कुमार ने कहा हमें इस घटना के बारे में कोई जानकारी नहीं है। इस मामले की जानकारी कराई जा रही है।

अलीगढ़ के गाजीपुर में ओटीएस योजना का दूसरा चरण शुरू

अलीगढ(संवाददाता)। गाजीपुर उपकेंद्र पर एकमुश्त समाधान (ओटीएस) योजना के दूसरे चरण का पंजीकरण कार्य शुरू हो गया है। इस चरण में बिजली विभाग की एक टीम ने ग्रामीण क्षेत्रों में गांव-गांव जाकर उपभोक्ताओं का पंजीकरण किया और उन्हें बिजली बिल जमा करने की सुविधा प्रदान की। टीजी-2 प्रमोद कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने घर-घर जाकर उपभोक्ताओं के पंजीकरण किए। इस पहल में जेई श्याम सुंदर के नेतृत्व वाली टीम ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसका मुख्य उदेश्य ग्रामीण उपभोक्ताओं को सहूलियत देना और उन्हें बिजली कार्यालयों के चक्कर लगाने से बचाना था। कर्मचारियों ने प्रत्येक गांव में लोगों को योजना की विस्तृत जानकारी दी और मौके पर ही उनके बिजली बिल जमा किए। इस सुविधा से उपभोक्ताओं के समय की बचत हुई और ग्रामीण जनता में योजना के प्रति जागरूकता भी बढ़ी। इस टीम में लाइनमैन दीपक, प्रभात, नरेश, सोनू और कुलदीप सहित अन्य कर्मचारी शामिल थे।

तेज आवाज के साथ स्कूल पर गिरी बिजली, बारिश और हवा से बढ़ी ठंड

अलीगढ(संवाददाता)। मंगलवार सुबह से ही मौसम ने अचानक करवट ले ली। आसमान में घने बादल छा गए और दोपहर होते-होते तेज हवा के साथ बारिश शुरू हो गई। इसी दौरान थाना क्वार्सी क्षेत्र के नौरंगाबाद स्थित डीएवी गर्ल्स इंटर कॉलेज परिसर में तेज आवाज के साथ बिजली गिर गई। बिजली गिरते ही स्कूल परिसर में अफरा-तफरी मच गई और छात्राओं व स्टाफ में चीख-पुकार मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जोरदार धमाके जैसी आवाज के साथ बिजली कॉलेज भवन के पास गिरी। इससे स्कूल की एक दीवार में दरार आ गई। गनीमत रही कि उस समय अधिकांश छात्राएं कक्षाओं में थीं और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। घटना के बाद कुछ देर के लिए स्कूल में दहशत का माहौल रहा। कॉलेज की प्रिंसिपल प्रियंका चौरसिया ने बताया कि परीक्षाएं चल रही हैं। इसलिए सभी छात्राएं कक्षाओं में थीं। किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ है। मौसम में आए इस अचानक बदलाव से पूरे शहर में ठंडक बढ़ गई है। दोपहर में बारिश के और हवा के कारण ठंड भी बढ़ गई। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से अलीगढ़ समेत आसपास के जिलों में बादल छाए रहने, बारिश और तेज हवाओं का दौर जारी रह सकता है।

पटेल उत्थान समिति ने 20 मेधावी छात्र-छात्राओं को नवाजा

बांदा। बबेरू में पटेल उत्थान समिति द्वारा कैप्टन बद्री प्रसाद इंटर कॉलेज, मिलाथू में एक मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में क्षेत्र के 20 मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इन मेधावी छात्र-छात्राओं को पेन, डायरी, मेडल, ट्रैकसूट और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। किसान नेता दिनेश कुमार निरंजन ने विशेष रूप से आरक्षण के जनक कुर्मी कुलभूषण राजर्षि साहू जी महाराज की प्रतिमा भेंट कर विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में समस्त ग्रामवासी, नगरवासी और क्षेत्रवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे समारोह में भारी भीड़ देखने को मिली। इस अवसर पर पटेल उत्थान समिति के अध्यक्ष महेंद्र कुमार, महामंत्री भैया लाल पटेल, कोषाध्यक्ष श्यामसुंदर पटेल, किसान नेता दिनेश कुमार निरंजन, प्रबंधक नरेंद्र सिंह पटेल, अध्यक्ष रामनरेश पटेल, प्रधानाचार्य मनोज कुमार चक्रवर्ती, पटेल सेवा संस्थान अध्यक्ष मुंगी प्रसाद पटेल, रोहित पटेल, रोहिणी पटेल, अनिरुद्ध पटेल, समिति के सभी सदस्य, विद्यालय स्टाफ और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बीबीएयू में गणतंत्र दिवस पर भव्य समारोह,युवाओं से राष्ट्र निर्माण की अपील

लखनऊ (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय (बीबीएयू) में 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर परिसर में भव्य समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की। मुख्य अतिथि मेजर जनरल मनोज तिवारी रहे। कुलसचिव डॉ. अश्विनी कुमार सिंह और प्रॉक्टर प्रो. राम चंद्रा मंच पर मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने से हुई। इसके बाद ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान गाया गया। एनसीसी, एनएसएस, जेंडर चौंपियन टीम और सुरक्षा टुकड़ियों ने परेड के माध्यम से राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने कहा कि शहीदों के त्याग और बलिदान से देश को स्वतंत्रता मिली और संविधान के माध्यम से भारत एक मजबूत गणतंत्र बना। उन्होंने कहा कि डॉ. अम्बेडकर द्वारा दिया गया संविधान सामाजिक न्याय और समानता की नींव है। आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभर चुका है। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप संस्कृति और आत्मनिर्भर भारत की सोच से देश वैश्विक मंच पर मजबूत भूमिका निभा रहा है।

'देश की समृद्धि और बच्चों को संस्कारवान बनाने अपनाएं पंच परिवर्तन'

■शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में 35 से ज्यादा स्थानों पर हुए हिंदू सम्मेलन

■ ग्वालियर

रविवार को शहर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक चेतना और राष्ट्र निर्माण का संदेश देते हुए 35 से अधिक स्थानों पर हिंदू सम्मेलन आयोजित किए गए। जिसमें वक्ताओं ने कहा कि पंच परिवर्तन-सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्व बोध, नागरिक कर्तव्य एवं कुटुंब प्रबोधन को यदि प्रत्येक नागरिक अपने जीवन में उतार ले, तो भारत का विकास और समृद्धि सुनिश्चित है। समाज की जड़ें मजबूत होंगी और भावी पीढ़ी संस्कारवान बनेगी। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुतियां भी हुईं। देशभक्ति गीत, नृत्य नाटिकाएं एवं समाज विषयों पर आधारित प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता, और सांस्कृतिक गौरव का प्रभावशाली संदेश दिया गया।

कांटे साहब का बाग में आयोजित शब्द प्रताप बस्ती के हिंदू सम्मेलन के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्य भारत प्रांत के सह कार्यवाह विजय दीक्षित थे। मुख्य अतिथि संत गोपाल दास महाराज, विशेष अतिथि प्रो.वंदना सेन रहीं। मुख्य वक्ता श्री दीक्षित ने नागरिकों से सनातन संस्कृति, परंपराओं और जीवन मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति केवल आस्था नहीं, बल्कि जीवन जीने की पद्धति है, जो त्याग, सेवा, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति का मार्ग दिखाती है। वंदना सेन ने कहा कि नारी अगर ठान ले तो समाज परिवर्तन में उसकी महत्वपूर्ण भागीदारी होगी। संत गोपाल दास ने भेदभाव मिटाने और संत रामसेवक दास ने एकजुटता पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन शिवम सिसौदिया ने एवं आभार प्रभात पाठक ने व्यक्त किया।

चौड़े के हनुमान बिरला नगर में आयोजित सम्मेलन के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रांत सह वाटिका में तृप्ति नगर बस्ती का सम्मेलन आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता ग्वालियर विभाग सह कार्यवाह मुनेंद्र कुशवाहा एवं विशेष अतिथि सरिता पटेल रहीं। तिलक नगर बस्ती में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता संघ के ग्वालियर विभाग सह कार्यवाह वीरेंद्र वर्मा, विशेष अतिथि रेखा श्रीवास्तव रहीं। इस अवसर पर ओम प्रकाश पटसारिया भी मंचासीन रहे। बलवंत नगर में आयोजित हनुमान बस्ती के कार्यक्रम में मुख्य वक्ता अवध किशोर राठौर उपस्थित रहे। तानसेन नगर बस्ती के सम्मेलन में मुख्य वक्ता ग्वालियर विभाग पर्यावरण संयोजक चंद्रभान सचान, सूर्य बस्ती दीनदयाल नगर में मुख्य वक्ता के रूप में संघ के ग्वालियर विभाग कार्यवाह निरुपम नेवासकर, विशेष अतिथि कल्पना सिंह रहीं। विजय नगर चंदनबाड़ी बस्ती के सम्मेलन में मुख्य वक्ता संघ के विभाग संघचालक प्रहलाद सबनानी, विशेष अतिथि ज्योति भदौरिया रहीं।

एकजुटता पर दिया जोर

भितरवार में आयोजित हिंदू सम्मेलन के मुख्य वक्ता वरिष्ठ साहित्यकार रामकिशोर उपाध्याय, मुख्य अतिथि गोलेश्वर धाम करहिया के महंत सोमगिरि महाराज, विशेष अतिथि कृष्णा रावत एवं जया किशोरी जी रहीं। वक्ताओं ने हिंदू समाज की एकजुटता पर जोर दिया।

खेल में ग्वालियर का मान बढ़ाने पर गोहित का सम्मान

गांधी नगर बस्ती में आयोजित हिंदू सम्मेलन में गोहित भारद्वाज का खेल के क्षेत्र में शानदार योगदान के लिए सम्मानित किया गया। यहां बता दें कि श्री तीर्थराज भारद्वाज के पुत्र एवं ग्वालियर ग्लोरी हाई स्कूल के होनहार छात्र गोहित भारद्वाज (11 वर्ष) खेल जगत में तेजी से उभरते हुए खिलाड़ी के रूप में अपनी पहचान बना रहे हैं। कम उम्र में ही गोहित ने अपनी मेहनत, अनुशासन और प्रतिभा के दम पर कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। गोहित भारद्वाज ने विद्यालय स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिताओं में लगातार दो बार स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) जीतकर अपनी उत्कृष्ट क्षमता का परिचय दिया। इसके साथ ही जिला स्तरीय ताइक्वांडो टूर्नामेंट में दो बार रनर-अप रहते हुए उन्होंने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया है। इतना ही नहीं, गोहित ने शूटिंग (निशानेबाजी) में भी अपनी बहुमुखी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में सहभागिता की है।

प्रमुख नवल शुक्ला ने पंच परिवर्तन के विषय में विस्तार से जानकारी दी। गांधी नगर बस्ती का सम्मेलन भावना मैरिज गार्डन में हुआ। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ग्वालियर विभाग सह संघचालक रवि अग्रवाल, मुख्य अतिथि जगतगुरु आनंदेश्वरानंद महाराज, विशेष अतिथि मंगलेश्वरी देवी रहीं। संचालन डॉ.नीति पाठक ने किया।

विश्वकर्मा बस्ती का हिंदू सम्मेलन न्यू शांति नगर पार्क में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मध्य भारतीय हिंदी साहित्य सभा के अध्यक्ष डॉ.कुमार संजीव, विशेष अतिथि श्रीमती ऋतु लाल रहीं। इस अवसर पर योग शिक्षिका गीता उपाध्याय एवं कार्यक्रम संयोजक नरेंद्र पचौरी भी मंचासीन रहे। मुख्य वक्ता ने एकजुटता और गाय की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन नवल किशोर बौहरे एवं आभार पूर्व पार्षद विनोद अष्टैया ने व्यक्त किया।

जीडी पैलेस में आयोजित भूतेश्वर बस्ती के सम्मेलन के मुख्य वक्ता अभिभाषक रविंद्र दीक्षित, मुख्य अतिथि संत देवगिरि महाराज, विशेष अतिथि रेखा श्रीवास्तव रहीं। ललितपुर बस्ती का सम्मेलन सनातन धर्म मंदिर में आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता प्रांत गौसेवा प्रमुख मधुसूदन शर्मा, विशेष अतिथि अंजली हार्डिकर रहीं। सुभाष बस्ती का हिन्दू सम्मेलन सुभाष विद्यालय में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के ग्वालियर जिला सह कार्यवाह नितिन अग्रवाल, मुख्य अतिथि ऋषभदेवानंद महाराज, विशेष अतिथि डॉ. रेखा भदौरिया रहीं। अनुपम बस्ती का सम्मेलन दुर्गा माता मंदिर सरस्वती नगर पार्क में आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में प्रांत कुटुंब प्रबोधन संयोजक अशोक पाठक उपस्थित रहे। इंद्रावती ए ब्लॉक थाटीपुर में आयोजित सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में जिला धर्म जागरण संयोजक बृजकिशोर मिश्रा उपस्थित रहे। कमलेश्वर

रेलवे स्टेशन पर गूंज रहा वंदे मातरम्, 150 वर्ष पूर्ण होने पर देशभक्ति से सराबोर माहौल

■ ग्वालियर

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने और गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर पूर्व रेलवे स्टेशन परिसर में एक विशेष पहल की जा रही है। रेलवे स्टेशन पर नियमित घोषणा (एनाउंसमेंट) के बाद वंदे मातरम् का सामूहिक प्रसारण किया जा रहा है, जिससे पूरे स्टेशन परिसर में देशभक्ति का वातावरण बन गया है। यह आयोजन 26 जनवरी तक निरंतर जारी रहेगा।

सुबह से लेकर देर शाम तक जैसे ही ट्रेनों की घोषणा के बाद वंदे मातरम् की धुन बजती है, स्टेशन पर मौजूद यात्रियों, रेलवे कर्मचारियों और आम नागरिकों में एक अलग ही उत्साह देखने को मिल रहा है। लोग कुछ पल के लिए ठहरकर इस अमर गीत को सुनते हैं, कई यात्री मोबाइल से वीडियो बनाते नजर आ रहे हैं तो कई लोग सम्मान भाव से खड़े होकर गीत का आनंद लेते हैं। स्टेशन जैसे व्यस्त सार्वजनिक स्थल पर वंदे मातरम् की प्रस्तुति को लेकर लोगों ने इस पहल की खुले दिल से सराहना की है। यात्रियों का कहना है कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि यह देश की आत्मा और स्वतंत्रता संग्राम की भावना को दर्शाता है। ऐसे प्रयासों से नई पीढ़ी में राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी और देशप्रेम की भावना और अधिक प्रबल होती है। रेलवे प्रशासन की इस पहल से न सिर्फ यात्रियों को सकारात्मक संदेश मिल रहा है, बल्कि गणतंत्र दिवस से पहले पूरे शहर में राष्ट्रभक्ति की लहर भी महसूस की जा रही है। नागरिकों का मानना है कि यदि इस तरह के सांस्कृतिक और राष्ट्रीय आयोजनों को सार्वजनिक स्थानों पर नियमित रूप से आयोजित किया जाए, तो समाज में एकता, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति सम्मान की भावना और अधिक सुदृढ़ होगी। वंदे मातरम के मधुर स्वर के साथ रेलवे स्टेशन इन दिनों सिर्फ यात्रा का केंद्र नहीं, बल्कि देशभक्ति की जीवंत मिसाल बनता नजर आ रहा है।

डीडी नगर सहित चार क्षेत्रों में पहुंचा गंदा पानी

ग्वालियर। शहर में गंदे पानी की सप्लाई कम होने का नाम नहीं ले रही है। तमाम प्रयास के बाद भी डीडी नगर, जागृति नगर व मरघट रोड और कुम्हरपुरा क्षेत्र में गंदे पानी की सप्लाई हुई। इसकी शिकायत स्थानीय पार्षद और पीएचई अफसरों से की तो अमला मौके पर पहुंचा, लेकिन पानी की समस्या का निराकरण नहीं हो सका। इसके साथ ही दो दिन पूर्व पानी के शहरभर से लिए गए सैंपल में कई स्थानों पर बैक्टेरिया युक्त गंदा पानी रिपोर्ट में मिला है। इसमें वार्ड 21, 22,28,01,10, 37,38,39, शामिल है। हालांकि इस मामले में अधिकारी कुछ भी कहने से बच रहे है और अभी रिपोर्ट उनके पास नहीं आने के बहाने बता रहे है।

सराफा कारोबारी पिता-पुत्र ने की 16 लाख की धोखाधड़ी, प्राथमिकी

■ फर्जी शपथ पत्र बनवाकर पीड़ित को थमाया

■ ग्वालियर

शहर के प्रतिष्ठित सराफा कारोबारी विमल ज्वैलर्स के संचालक विमल जैन और उनके पिता अजीत जैन द्वारा लाखों रुपए की धोखाधड़ी करने का मामला प्रकाश में आया है। पिता-पुत्र ने प्रार्थिनी और उनके परिवार के दो अन्य लोगों से 16 लाख रुपए उधर लिए थे, लेकिन कुछ समय तक ब्याज लौटाने के बाद उनकी नीयत में खोट आ गई। रकम लौटाने के लिए झांसा देकर पहले आधार कार्ड व अन्य दस्तावेज ले लिए और बाद में नौकर से फर्जी शपथ पत्र भेजकर रकम लौटाने की बात कही।

गुढ़ा-गुढ़ी का नाका चक्की कम्पू निवासी शारदा पत्नी धर्मपाल जैन के पिता लालमणि जैन सकल जैन समाज के सम्मानित वृद्ध जैन संत हैं। विमल ज्वैलर्स सराफा बाजार के संचालक अजीत पुत्र धन्नालाल जैन निवासी अल्कापुरी बैंक कॉलोनी सिटी सेंटर से परिवारिक संबंध रहे हैं। अजीत जैन और उनके बेटे विमल जैन ने शारदा जैन, उनकी बहन शशि और भतीजी बहू प्रियंका पत्नी आदित्यमणि जैन से वर्ष 2011 से लेकर 2016 तक अलग किश्तों में 16 लाख रुपए ब्याज पर लिए थे। कुछ समय तक तो वायदे के अनुसार पिता पुत्र ने ब्याज दिया, लेकिन बाद में उन्होंने ब्याज देना बंद कर दिया। वर्ष 2020 में अजीत जैन व विमल ने शारदा जैन, शशि जैन व प्रियंका जैन से यह कहकर आधार कार्ड और पेन कार्ड मांगे कि वह चेक से रकम का पूरा भुगतान करेंगे, लेकिन फिर भी पैसा नहीं लौटाया। पिता-पुत्र की नीयत में खोट आने पर प्रार्थिनी शारदा जैन ने कोतवाली थाने में शिकायती आवेदन दिया। तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सतेन्द्र सिंह तोमर ने शिकायती आवेदन पत्र की जांच के बाद दोनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश दिए थे लेकिन कार्रवाई नहीं हुई थी। जब शारदा जैन ने पुनः अपने साथ हुई धोखाधड़ी की शिकायत की तो पुलिस ने प्रार्थिनी की शिकायत पर अजीत व विमल जैन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली।

शपथ पत्र देखकर परिवार के उड़े होश

अजीत जैन व विमल ने 07 फरवरी 2021 को एक शपथ पत्र शारदा जैन के घर भेजा। जिसमें लिखा कि 5 लाख रुपए पूर्व सहित कुल 16 लाख रुपए का भुगतान कर दिया गया है। जबकि शारदा जैन ने सौ सौ रुपए के स्टाम्प वेंडर अजय कुमार से कभी विक्रय किए ही नहीं थे। रकम नहीं लौटाने साथ ही फर्जी दस्तावेज बनाने पर पुलिस को धोखाधड़ी करने का साफ पता चल गया।

इनका कहना है

सराफा कारोबारी अजीत जैन और उनके बेटे विमल जैन के खिलाफ 16 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने का प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। पुलिस ने अब फर्जीबाड़े की जांच प्रारंभ कर दी है।

मोहिनी वर्मा
कोतवाली थाना प्रभारी

राजमाता सिंधिया की पुण्यतिथि पर मेले में गूंजीं भक्ति की स्वर लहरियां

■ ग्वालियर

ग्वालियर व्यापार मेले में जनसंघ की संस्थापक नेता राजमाता विजयाराजे सिंधिया की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित भजन संध्या में भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुविख्यात भजन गायक चरनजीत सिंह सोढी ने अपनी सुमधुर आवाज में प्रस्तुत भजनों से मेले में आए सैलानियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। तूने मुझे बुलाया शेरावालिए भजन की भावपूर्ण प्रस्तुति पर श्रोता झूम उठे और पूरा वातावरण भक्ति से सराबोर हो गया। कार्यक्रम में मुंबई से आए चरनजीत सिंह सोढी म्यूजिकल ग्रुप ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुतियां दीं। भजन संध्या के दौरान श्रद्धालुओं और दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी, जिन्होंने भजनों का भरपूर आनंद लिया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजोरिया, पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, जिलाधीश रुचिका चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह, पूर्व अध्यक्ष मेला प्राधिकरण वीरेन्द्र गंगवाल, मेला व्यापारी संघ के अध्यक्ष महेश मुदगल, महेंद्र भदकारिया, अनिल पुनियानी, अर्जुन गुर्जर, जगदीश उपाध्याय सहित अन्य मौजूद रहे।

राजमाता का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणास्रोतः डॉ. शर्मा

व्हीआईएसएम ग्रुप ऑफ स्टडीज में जनसंघ की संस्थापक नेत्री एवं भारतीय राजनीति की प्रेरणास्रोत राजमाता विजयाराजे सिंधिया की 25वीं पुण्यतिथि श्रद्धा एवं भावपूर्ण वातावरण में मनाई गई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रदेश संयोजक, शिक्षक प्रकोष्ठ, भारतीय जनता पार्टी डॉ. नितेश शर्मा ने राजमाता विजयाराजे सिंधिया के विचारों और योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि राजमाता विजयाराजे सिंधिया ने भारतीय राजनीति को राष्ट्रवाद, सिद्धांतनिष्ठा और जनसेवा की मजबूत दिशा दी। वे केवल एक सशक्त महिला राजनेता ही नहीं, बल्कि सामाजिक सरोकारों के प्रति अत्यंत संवेदनशील व्यक्तित्व थीं। उन्होंने कहा कि राजमाता नारी सशक्तिकरण, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और राष्ट्र निर्माण के लिए आजीवन समर्पित रहीं, जिनके आदर्श आज भी प्रासंगिक हैं। डॉ. शर्मा ने विद्यार्थियों से राजमाता के जीवन से प्रेरणा लेकर समाज सेवा और राष्ट्रहित में कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर संस्थान की चेयरपर्सन सरोज राठौर, ग्रुप निदेशक डॉ. प्रज्ञा सिंह सहित स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। अंत में दो मिनट का मौन रखकर राजमाता विजयाराजे सिंधिया को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

भाजपा नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को राजमाता विजयाराजे सिंधिया की 25वीं पुण्यतिथि पर उनके छत्री स्थल पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि राजमाता जी ममता और वात्सल्य की प्रतिमूर्ति थीं। उन्होंने कहा कि राजमाता का संपूर्ण जीवन राष्ट्र, संस्कृति और समाज के उत्थान के लिए समर्पित रहा। उनकी सादगी, दृढ़ संकल्प और सिद्धांतों पर अडिग रहना उनकी पहचान थी। उन्होंने कहा अम्मा महाराज ने न केवल राजनीति में मूल्यों की मिसाल कायम की, बल्कि जन-जन के दिलों में विश्वास और सम्मान भी अर्जित किया। श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में पूर्व मंत्री मायासिंह, पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, हरीश मेवाफरोश, अनिल सांखला, अमर कुटे, बंटी बघेल, नीलिमा शिंदे, पुरुषोत्तम शर्मा, जयसिंह सेंगर, अतुल कविश्वर, अनिल शर्मा, गोपाल झा, नीरज पटवा सहित भाजपा कार्यकर्ता शामिल हैं।

हेम सिंह की परेड में सरकारी जमीन पर कब्जे की साजिश

■ पानी की टंकी की सुरक्षा खतरे में, निगमायुक्त के निर्देश के बाद भी अब तक कोई नहीं पहुंचा

■ ग्वालियर

वार्ड क्रमांक 53 हेमसिंह की परेड स्थित पानी की टंकी के पास कीमती सरकारी जमीन पर कब्जे की सुनियोजित साजिश एक बार फिर सामने आई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए निगमायुक्त संघ प्रिय ने अपर आयुक्त प्रदीप तोमर को मौके पर पहुंचकर जांच करने के निर्देश दिए थे, लेकिन निर्देश के बाद भी अभी तक वहां पर कोई भी जांच के लिए नहीं पहुंचा है।

गौरतलब है कि वर्ष 2013 में यहां पानी की टंकी का निर्माण किया गया था। टंकी के बगल में नगर निगम का पार्क और मंदिर स्थित है। इसी पार्क की जमीन पर कब्जा करने के उद्देश्य से मंदिर के पास दीवार तोड़कर अवैध गेट बना दिया

गया है। इस गेट के माध्यम से शरारती तत्व रात के अंधेरे में पार्क में घुसते हैं, पार्टियां चलती हैं, वाहन पार्क होते हैं, जिससे न सिर्फ पार्क की शांति भंग हो रही है बल्कि पानी की टंकी की सुरक्षा भी खतरे में पड़ गई है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस जमीन की कीमत लगभग 10 हजार रुपए प्रति वर्गफीट है। इतनी महंगी सरकारी जमीन पर कब्जा कर दुकानें बनाने की तैयारी की जा रही है। यही नहीं, इसी अवैध रास्ते से पानी की टंकी पर चढ़ने का रास्ता भी खुल गया है, जिससे गंभीर आशंका पैदा हो गई है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते नगर निगम ने कार्रवाई नहीं की तो इंदौर जैसी बड़ी घटना से इनकार नहीं किया जा सकता। शरारती तत्व टंकी पर चढ़कर पानी में कुछ भी मिला सकते हैं, जिससे हजारों नागरिकों की जान जोखिम में पड़ सकती है। सवाल यह है कि निगम के निर्देशों के बाद भी अब तक कोई अधिकारी मौके पर क्यों नहीं पहुंचा।

जेएएच के पूर्व अधीक्षक का शव रेलवे ट्रैक पर मिला

रेल से कटकर की आत्महत्या

■ ग्वालियर

जयारोग्य चिकित्सालय समूह के पूर्व अधीक्षक डॉ. जेएस सिकरवार का शव रविवार को रेलवे ट्रेक पर मिलने से खलबली मच गई। प्रथम दृष्टया शव देखकर प्रतीत हो रहा है कि उन्होंने रेल से कटकर आत्महत्या की है। डॉ. सिकरवार जयारोग्य चिकित्सालय में रेडियोलॉजी विभाग के अध्यक्ष एवं पूर्व अधीक्षक रहे। वे वर्ष

2017 में सेवानिवृत्त हुए। उनका कम्पू पर परख पैथोलॉजी के अलावा गूंज एफएम हरीशंकरपुरम में है। वे हरीशंकरपुरम में ही निवास करते थे। इन दिनों बीमार और तनाव में चल रहे थे, संभवतः उसी के चलते आत्मघाती कदम उठाया होगा। उनके शव परीक्षण के बाद देर शाम लक्ष्मीगंज मुक्तिधाम पर अंतिम संस्कार किया गया। विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र स्थित नए ओवरब्रिज विवेकानंद नीडम के पास रविवार की सुबह रेलवे ट्रेक पर शव पड़ा होने की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। बताया गया है कि डॉ. सिकरवार सुबह साढ़े पांच बजे के करीब घर से कार लेकर निकले थे। विश्वविद्यालय थाना प्रभारी रविन्द्र कुमार का कहना है कि पहले शव की पहचान नहीं हो सकी थी। बाद में परिजनों ने चेहरे को देखकर शव की पहचान की। परिजनों ने पुलिस को बताया कि डॉ. सिकरवार इन दिनों तनाव में थे और उनका इलाज चल रहा था। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। कार विवेकानंद नीडम के पास खड़ी मिली है।

गणतंत्र दिवस पर निकाली गई झांकियों में एलडीए की राष्ट्र प्रेरणा स्थल मॉडल ने जीता पहला पुरस्कार

लखनऊ (संवाददाता)। गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजधानी लखनऊ में निकली भव्य झांकियों ने देशभक्ति, विकास और सांस्कृतिक चेतना की शानदार झलक पेश की। झांकी प्रतियोगिता में लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की झांकी को पहला स्थान मिला। वहीं जन भवन (पूर्व राज भवन) की वंदे मातरम थीम पर आधारित झांकी दूसरे, जबकि सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की झांकी तीसरे स्थान पर रही। पहले स्थान पर रही एलडीए की झांकी में लखनऊ के बदलते स्वरूप को प्रभावी तरीके से दिखाया गया। बसंतकुंज योजना में 65 एकड़ क्षेत्रफल में विकसित राष्ट्र प्रेरणा स्थल का मॉडल झांकी का मुख्य आकर्षण रहा। इसमें भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी, पं. दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की भव्य प्रतिमाएं, डिजिटल म्यूजियम, कमल के आकार में बना विशाल रैली स्थल और ओपन एयर थिएटर को दशार्या गया। अंतिम हिस्से में भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर के साथ हेलिपैड भी दिखाया गया। दूसरे स्थान पर रही जन भवन की झांकी वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ को समर्पित रही। झांकी के अग्र भाग में भारत माता की विराट प्रतिमा, पृष्ठभूमि में वंदे मातरम् से अंकित भारत का नक्शा, बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय और रवींद्रनाथ टैगोर की जीवंत आकृतियां रहीं। मध्य भाग में स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानियों को श्रद्धांजलि दी गई, जबकि अंतिम हिस्से में चंद्रयान मिशन, ब्रह्मोस, अग्नि और पृथ्वी मिसाइल के जरिए आधुनिक भारत की शक्ति दिखाई गई। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की झांकी विकसित भारत विकसित उत्तर प्रदेश थीम पर आधारित रही। इसमें राम मंदिर की प्रतिकृति, ड्रोन, हाई-स्पीड ट्रेन, मेट्रो, रोबोटिक्स और ब्रह्मोस मिसाइल के माध्यम से उत्तर प्रदेश के तकनीकी, औद्योगिक और रक्षा क्षेत्र में हो रहे विकास को दशार्या गया। साइड पैनलों में स्मार्टफोन मैन्युफैक्चरिंग, सौर ऊर्जा, हाईवे और एक जिला एक उत्पाद की झलक दिखाई गई।

बहोड़ापुर रोड 18 मीटर होगी चौड़ी, अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

■ ग्वालियर

बहोड़ापुर रोड को अब मास्टर प्लान के प्रावधान के अनुसार 18 मीटर चौड़ा किया जाएगा। लंबे समय से यह सड़क अतिक्रमण की चपेट में थी, जिसके चलते लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को सड़क निर्माण कार्य में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। यातायात व्यवस्था भी लगातार प्रभावित हो रही थी।

रविवार को नगर निगम के सहयोग से अतिक्रमण हटाने की सख्त कार्रवाई की गई। बहोड़ापुर

स्थित कटीघाटी क्षेत्र में चल रहे सड़क चौड़ीकरण कार्य में बाधक बने चार मकानों को तोड़ने की कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई मास्टर प्लान के तहत प्रस्तावित सड़क चौड़ाई को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई। अपर आयुक्त प्रदीप सिंह तोमर के नेतृत्व में नगर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थायी एवं अस्थायी दोनों प्रकार के अतिक्रमण हटाए। कार्रवाई के दौरान संबंधित लोगों को स्पष्ट चेतावनी दी गई कि भविष्य में सड़क चौड़ीकरण के कार्य में किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अतिक्रमण हटने के बाद अब सड़क निर्माण कार्य में तेजी आएगी और क्षेत्र में यातायात सुगम हो सकेगा। कार्रवाई के दौरान पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर, नगर निगम के क्षेत्राधिकारी, मदाखलत अधिकारी सहित संबंधित विभागों का अमला मौके पर मौजूद रहा।

सम्पादकीय

सीतारमण के नौवे बजट से उम्मीदे

केंद्रीय बजट 2026-27 की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। हॉलाकि हमेशा ही देश बजट 25 प्रतिशत और 75 प्रतिशत की हैसियत के रूप में देखा गया है। आम आदमी की जरूरत रोटी कपड़ा और मकान की प्राथमिकता किसी बजट में नही रही । जबकि सबसे ज्यादा बजट में दरकार इसी की होनी चाहिए। आज भी देश के 75 प्रतिशत आबादी की आय और महंगाई में जमीन आसमान का अन्तर है। लेकिन हर सरकार ने नौकरी पेशा, व्यापारी, धन्नासेठों और नेताओं के हिसाब वाले बजट को प्राथमिकता दी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को अपना लगातार नौवां बजट पेश करने वाली हैं। मोदी 3.0 सरकार के इस तीसरे पूर्ण बजट से देश के करोड़ों टैक्सपेयर्स, विशेषकर मध्यम वर्ग, वरिष्ठ नागरिकों और निवेशकों को बड़ी उम्मीदें हैं। वैसे भी बजट का नाम आते ही सबसे पहले दिमाग में एक ही सवाल आता है इनकम टैक्स में क्या बदलेगा। खासकर मध्यमवर्गीय और नौकरीपेशा करदाता को इस बार इनकम टैक्स में राहत की उम्मीद है। महंगाई, बढ़ती ईएमआई और रोजमर्रा के खर्चों के बीच कर संरचना में बदलाव की मांग हमेशा ही रही है। हर साल की तरह इस बार भी आम लोगों की नजर बजट पर टिकी है। नौकरी पेशा, मीडिल क्लास परिवार हों वरिष्ठ नागरिक या फिर निवेश करने वाले लोग सबको टैक्स में थोड़ी राहत की उम्मीद है। सबसे खास बॉत यह कि बढ़ती महंगाई के बीच सीमित आय वाली देश की सर्वाधिक आबादी को महंगाई से राहत दिलाने वाले बजट की आस बनी हुई है।वैसे भी साल 2025 और 2026 में नई टैक्स व्यवस्था के तहत 12 लाख रुपये तक की आय को टैक्स फ्री करने के ऐतिहासिक फैसले के बाद, इस बार उम्मीदों का बाजार और भी गर्म है। पिछले बजट में नए टैक्स रिजीम में 12 लाख तक की इनकम को टैक्स-फ्री कर दिया गया था, अब लोग और ज्यादा राहत की उम्मीद कर रहे हैं। वेतनभोगी कर्मचारियों की सबसे बड़ी मांग पुरानी टैक्स व्यवस्था में बदलाव को लेकर है। वैसे भी 2014 के बाद से धारा 80 सी के तहत 1.5 लाख रुपये की निवेश सीमा में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिसे इस बार बढ़ाकर 3 लाख रुपये करने की मांग लम्बे समय से की जा रही है। होम लोन के ब्याज पर मिलने वाली छूट को 2 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपये करने और मानक कटौती में बढ़ोतरी करने की मांग की जा रही है। लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन टैक्स में बदलाव की उम्मीद है, खासकर इक्विटी और म्यूचुअल फंड पर, ताकि निवेशकों को बेहतर रिटर्न मिले। सरचार्ज कम हो और पीक टैक्स रेट 30 फीसदी के आसपास कैप हो जाए। शादीशुदा जोड़े की पति और पत्नी की आय को जोड़कर टैक्स की गणना की पुरानी डिमांड फिर से उठ रही है, जिससे सिंगल-इनकम फैमिली को फायदा हो सकता है। विवाहित जोड़ों की आय पर मिलकर टैक्स लगाने से परिवार के कुल टैक्स बोझ में कमी आ सके। जब दुनिया में ट्रेड टेंशन और अमेरिकी टैरिफ का दबाव है। लोगों को उम्मीद है कि सरकार ऐसे कदम उठाएगी जिससे इनका असर भारत पर कम पड़े। आम आदमी को नई इनकम टैक्स रिजीम में राहत, घर खरीदने वालों को रियल एस्टेट में सस्ती लोन और टैक्स बेनेफिट, और निवेशकों को गोल्ड-सिल्वर पर ड्यूटी या टैक्स राहत की आस है, ताकि जेब पर बोझ थोड़ा हल्का हो सके। तेज आर्थिक वृद्धि के बावजूद वैश्विक अस्थिरता और वित्तीय जोखिमों के बीच आने वाला यह बजट सरकार के आर्थिक एजेंडे की दिशा तय करेगा। कंपनियां टैक्स राहत, निवेश प्रोत्साहन और इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च बढ़ाने की उम्मीद कर रही हैं, वहीं आम लोग आयकर राहत, महंगाई नियंत्रण और सामाजिक कल्याण योजनाओं की घोषणाओं की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उम्मीद लगाई जा रही है कि सरकार घरेलू बजट उपभोक्ता पर ज्यादा से ज्यादा फोकस कर सकती है। वैसे अनुमान यह है कि सीतारमण राजकोषीय घाटा समेत 3 अहम मुद्दों का लेखा-जोखा व नजरिया पेश करेंगी। इनमें पहला सरकार का अगले वर्ष अर्थव्यवस्था की अनुमानित विकास दर और विभिन्न योजनाओं एवं विभागों पर होने वाला खर्च, दूसरा, सरकार विभिन्न स्त्रोतों से कितना राजस्व जुटाएगी, और तीसरा, घोषित व्यय और अपेक्षित राजस्व के बीच के अंतर को पूरा करने के लिए सरकार को जो ऋण लेना पड़ता है, जिसे राजकोषीय घाटा कहा जाता है। यूनियन बजट 2026 में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा बनाई गई यूएस टैरिफ पॉलिसी के असर को कम करने की काफी संभावना है। यानी सरकार ऐसे उपायों का एलान कर सकती है, जिनसे यूएस टैरिफ का प्रभाव कम हो सकता है, जिससे भारत के घरेलू ग्रोथ इंजन पर दबाव घटेगा। जानकारों का अनुमान है कि ग्लोबल ट्रेड पर दबाव बरकरार रहे। ऐसे में एक्सपोर्ट इंसेंटिव, कस्टम ड्यूटी को तर्कसंगत बनाने आदि के जरिए बेहतर प्रदर्शन से मार्जिन को अतिरिक्त सहारा मिलेगा और मैन्युफैक्चरर्स, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम आदि को मजबूत सपोर्ट के कारण इंफ्रास्ट्रक्चर खर्च पर अच्छे प्रदर्शन के साथ कमाई की विजिबिलिटी बनी रहेगी, जिससे घरेलू मांग के जरिए दबाव कम होगा। अंदाजा लगाया जा रहा है कि सरकार मार्केट पॉलिसी में निरंतरता और राजकोषीय अनुशासन पर नजर रखेंगी।

मदर ऑफ ऑल ट्रेड डील्स ने ट्रंप की टैरिफ वाली राजनीति को दिया तगड़ा जवाब

भारत और यूरोपीय संघ के बीच लंबे इंतजार के बाद मुक्त व्यापार समझौता आखिरकार संपन्न हो गया। इसे दोनों पक्षों ने मदर ऑफ ऑल डील्स कहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा के साथ इस समझौते के राजनीतिक ऐलान पर हस्ताक्षर और आदान प्रदान हुआ। इस अवसर पर यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष ने कहा कि आज भारत और यूरोप इतिहास बना रहे हैं। यह समझौता दो अरब लोगों का मुक्त व्यापार क्षेत्र तैयार करता है जिससे दोनों पक्षों को लाभ होगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह केवल शुरूआत है और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर को भारत के आर्थिक भविष्य के लिए निर्णायक बताते हुए कहा कि भारत और यूरोपीय संघ मिलकर वैश्विक जीडीपी का लगभग पच्चीस प्रतिशत और दुनिया के कुल व्यापार का करीब एक तिहाई हिस्सा रखते हैं। उन्होंने कहा कि यह समझौता एक सौ चालीस करोड़ भारतीयों और करोड़ों यूरोपीय नागरिकों के लिए नए अवसर खोलेगा। हम आपको बता दें कि इस मुक्त व्यापार समझौते के तहत यूरोपीय संघ अपने लगभग 97 प्रतिशत वस्तु निर्यात पर भारत में शुल्क हटाएगा या कम करेगा। इससे हर साल करीब चार अरब यूरो की बचत होगी। भारत के लिए इसका मतलब है कि यूरोपीय कारें, बीयर, जैतून का तेल और प्रोसेस्ड फूड सस्ते होंगे। वहीं भारत को कपड़ा, चमड़ा, समुद्री उत्पाद और कई श्रम आधारित क्षेत्रों में शुल्क मुक्त या रियायती पहुंच मिलेगी। देखा जाये तो भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते के बाद भारत में कई यूरोपीय उत्पाद सस्ते होने की संभावना है। इस समझौते के तहत यूरोप से आयात होने वाली प्रीमियम कारों पर शुल्क में कटौती होगी जिससे बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज जैसी गाड़ियां पहले के मुकाबले कम कीमत पर उपलब्ध हो सकेंगी। यूरोपीय शराब, बीयर और वाइन पर भी टैक्स घटेगा जिससे ये उत्पाद आम उपभोक्ताओं के लिए अधिक सुलभ होंगे। इसके अलावा, चॉकलेट और अन्य खाद्य वस्तुएं भी सस्ती हो सकती हैं। साथ ही मेडिकल उपकरण, ऑप्टिकल मशीनें और उन्नत तकनीकी सामान पर शुल्क हटने से स्वास्थ्य सेवाओं और उद्योगों की लागत कम होगी। वहीं रत्न, आभूषण और प्लास्टिक जैसे क्षेत्रों में शून्य शुल्क का लाभ मिलने से इन उत्पादों की कीमतों पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा और घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। समझौते के तहत मशीनरी, रसायन और दवाओं पर ऊंचे शुल्क लगभग खत्म हो जाएंगे। विमान और अंतरिक्ष उपकरणों पर भी शुल्क हटाने का रास्ता साफ हुआ है। यूरोपीय संघ का अनुमान है कि इससे वर्ष 2032 तक उसका भारत को निर्यात दोगुना हो सकता है। साथ ही दोनों पक्षों ने व्यापार के साथ सुरक्षा और रक्षा साझेदारी की भी घोषणा की है। यूरोपीय संघ ने अगले दो वर्षों में पांच सौ मिलियन यूरो की सहायता से भारत के हरित ऊर्जा और जलवायु प्रयासों को समर्थन देने की बात भी कही है। यह समझौता केवल आर्थिक नहीं बल्कि जलवायु और रणनीतिक आयाम भी रखता है। हम आपको यह भी बता दें कि इस समझौते के लागू होने में अभी कुछ समय लगेगा और इसके 2027 की शुरूआत में प्रभावी होने की संभावना है। देखा जाये तो भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुआ यह मुक्त व्यापार समझौता बदलती वैश्विक राजनीति में एक स्पष्ट संदेश भी है। यह संदेश खास तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दबाव और टैरिफ आधारित नीति के लिए करारा झटका है। बीते वर्षों में अमेरिका ने व्यापार को हथियार की तरह इस्तेमाल किया। ऊंचे शुल्क धमकियां और सहयोगियों पर दबाव ट्रंप की पहचान बन गई। भारत पर रूसी तेल खरीद को लेकर अतिरिक्त शुल्क और यूरोप पर लगातार दबाव इसी नीति का उदाहरण हैं। ऐसे माहौल में भारत और यूरोपीय संघ का एक दूसरे के साथ इतनी व्यापक डील करना यह दिखाता है कि दुनिया अब दबाव नहीं बल्कि साझेदारी चाहती है। यह समझौता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका और यूरोप के बीच व्यापार वार्ता ठंडी पड़ी हुई है। यूरोप ने साफ कर दिया कि वह अपमान और धमकी की राजनीति के आगे नहीं झुकेगा। भारत ने भी अमेरिका के साथ व्यापार वाताओं में कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में अपनी लाल रेखा स्पष्ट रूप से सामने रखी है। इसमें कोई दो राय नहीं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति ने पिछले एक दशक में आत्मविश्वास और व्यवहारिकता का नया मेल दिखाया है। भारत ने अमेरिका, यूरोप, रूस और एशिया सभी के साथ अपने हितों के आधार पर संबंध रखे। भारत न तो किसी दबाव में झुका और न ही टकराव की भाषा अपनाई। यही कारण है कि यूरोपीय संघ जैसा जटिल समूह भारत के साथ इतने व्यापक समझौते पर सहमत हुआ। सामरिक दृष्टि से यह समझौता वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को विविध बनाने में मदद करेगा। चीन पर निर्भरता कम करने और सुरक्षित सप्लाई चेन बनाने की यूरोप की जरूरत भारत को स्वाभाविक साझेदार बनाती है। यह समझौता भारत के लिए तकनीक निवेश और रोजगार का नया रास्ता भी खोलता है। साथ ही रक्षा और सुरक्षा सहयोग से हिंद प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता को भी बल मिलेगा। यह डील यह भी दिखाती है कि व्यापार समझौते केवल आर्थिक लाभ के लिए नहीं बल्कि राजनीतिक संतुलन के लिए भी होते हैं। भारत और यूरोप दोनों ही यह संकेत दे रहे हैं कि वह बहुध्रुवीय दुनिया में स्वतंत्र फैसले लेने को तैयार हैं। ट्रंप की टैरिफ नीति के उलट यह समझौता संवाद, विश्वास और सम्मान पर टिका है। बहरहाल, यह कहा जा सकता है कि भारत और यूरोपीय संघ का यह मुक्त व्यापार समझौता नई वैश्विक व्यवस्था की झलक है। जहां दबाव की जगह साझेदारी है और धमकी की जगह भरोसा।

हम आपको बता दें कि इस मुक्त व्यापार समझौते के तहत यूरोपीय संघ अपने लगभग 97 प्रतिशत वस्तु निर्यात पर भारत में शुल्क हटाएगा या कम करेगा। इससे हर साल करीब चार अरब यूरो की बचत होगी। भारत के लिए इसका मतलब है कि यूरोपीय कारें, बीयर, जैतून का तेल और प्रोसेस्ड फूड सस्ते होंगे। वहीं भारत को कपड़ा, चमड़ा, समुद्री उत्पाद और कई श्रम आधारित क्षेत्रों में शुल्क मुक्त या रियायती पहुंच मिलेगी। देखा जाये तो भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते के बाद भारत में कई यूरोपीय उत्पाद सस्ते होने की संभावना है। इस समझौते के तहत यूरोप से आयात होने वाली प्रीमियम कारों पर शुल्क में कटौती होगी जिससे बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज जैसी गाड़ियां पहले के मुकाबले कम कीमत पर उपलब्ध हो सकेंगी। यूरोपीय शराब, बीयर और वाइन पर भी टैक्स घटेगा जिससे ये उत्पाद आम उपभोक्ताओं के लिए अधिक सुलभ होंगे। इसके अलावा, चॉकलेट और अन्य खाद्य वस्तुएं भी सस्ती हो सकती हैं। साथ ही मेडिकल उपकरण, ऑप्टिकल मशीनें और उन्नत तकनीकी सामान पर शुल्क हटने से स्वास्थ्य सेवाओं और उद्योगों की लागत कम होगी। वहीं रत्न, आभूषण और प्लास्टिक जैसे क्षेत्रों में शून्य शुल्क का लाभ मिलने से इन उत्पादों की कीमतों पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा और घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। समझौते के तहत मशीनरी, रसायन और दवाओं पर ऊंचे शुल्क लगभग खत्म हो जाएंगे। विमान और अंतरिक्ष उपकरणों पर भी शुल्क हटाने का रास्ता साफ हुआ है। यूरोपीय संघ का अनुमान है कि इससे वर्ष 2032 तक उसका भारत को निर्यात दोगुना हो सकता है। साथ ही दोनों पक्षों ने व्यापार के साथ सुरक्षा और रक्षा साझेदारी की भी घोषणा की है। यूरोपीय संघ ने अगले दो वर्षों में पांच सौ मिलियन यूरो की सहायता से भारत के हरित ऊर्जा और जलवायु प्रयासों को समर्थन देने की बात भी कही है। यह समझौता केवल आर्थिक नहीं बल्कि जलवायु और रणनीतिक आयाम भी रखता है। हम आपको यह भी बता दें कि इस समझौते के लागू होने में अभी कुछ समय लगेगा और इसके 2027 की शुरूआत में प्रभावी होने की संभावना है। देखा जाये तो भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुआ यह मुक्त व्यापार समझौता बदलती वैश्विक राजनीति में एक स्पष्ट संदेश भी है। यह संदेश खास तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दबाव और टैरिफ आधारित नीति के लिए करारा झटका है। बीते वर्षों में अमेरिका ने व्यापार को हथियार की तरह इस्तेमाल किया। ऊंचे शुल्क धमकियां और सहयोगियों पर दबाव ट्रंप की पहचान बन गई। भारत पर रूसी तेल खरीद को लेकर अतिरिक्त शुल्क और यूरोप पर लगातार दबाव इसी नीति का उदाहरण हैं। ऐसे माहौल में भारत और यूरोपीय संघ का एक दूसरे के साथ इतनी व्यापक डील करना यह दिखाता है कि दुनिया अब दबाव नहीं बल्कि साझेदारी चाहती है। यह समझौता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका और यूरोप के बीच व्यापार वार्ता ठंडी पड़ी हुई है। यूरोप ने साफ कर दिया कि वह अपमान और धमकी की राजनीति के आगे नहीं झुकेगा।

हम भारत के लोग और हमारी हमेशा रहने वाली जिम्मेदारी

राजनाथ सिंह

भारत के पहले राष्ट्रपति, डा. राजेंद्र प्रसाद ने 16 मई, 1952 को पहली लोकसभा को संबोधित करते हुए संसद के सदस्यों को उनकी लोकतांत्रिक जिम्मेदारियों की गंभीरता की याद दिलाई। उन्होंने यह साफ किया कि संविधान लागू होने, राष्ट्रपति के चुनाव और पहले आम चुनावों के साथ, आजाद भारत की लोकतांत्रिक यात्रा का पहला चरण पूरा हो गया था और देश अब दूसरे चरण में जा रहा है, जिसमें कोई रुकावट नहीं आएगी। उनके अनुसार, लोकतांत्रिक यात्रा का दूसरा चरण तभी सफल होगा जब राज्य और शासन व्यवस्था लोगों की उम्मीदों को पूरा करने के लिए पूरी तरह समर्पित होगी।लोकतंत्र की एक परिभाषा के अनुसार, डैमोक्रेसी का मतलब है लोगों का, लोगों द्वारा और लोगों के लिए। हमारे संविधान की प्रस्तावना में साफ तौर पर कहा गया है कि हमारे देश में सम्प्रभुता लोगों के पास है और यह संविधान भारत के लोगों ने अपने लिए बनाया है। इसलिए, संविधान को अपनाने के साथ ही लोगों का सिद्धांत साकार हुआ।लोगों द्वारा साल 1952 में पहले आम चुनावों के साथ स्थापित हुआ, जब लोकसभा और विधानसभाओं के सदस्य वयस्क मताधिकार के आधार पर चुने गए। लेकिन लोकतंत्र का तीसरा जरूरी सिद्धांत-लोगों के लिए एक लगातार चलने वाला प्रोसैस है, जिसके बारे में डा. राजेंद्र प्रसाद ने बात की थी जब उन्होंने दूसरी स्टेज की यात्रा में कोई रुकावट न आने की बात कही थी। इन सभी बातों से यह बिल्कुल साफ हो जाता है कि संविधान और लोकतंत्र के पूरे सिस्टम के केंद्र में हम भारत के लोग हैं और उनकी सामाजिक और आर्थिक तरक्की ही लक्ष्य है। यह लक्ष्य हमेशा से भारत की राजनीतिक चेतना का एक अहम हिस्सा रहा है। प्राचीन भारत में, योग-शेम का सिद्धांत व्यक्ति की भलाई और सुरक्षा से जुड़ा था। महात्मा गांधी के सर्वोदय के विचार के केंद्र में भी सभी का उत्थान है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अखंड मानवतावाद और अंत्योदय के सिद्धांत भी व्यक्ति के समग्र विकास और वंचित वर्गों के उत्थान पर ध्यान केंद्रित करते हैं। नागरिकों को विकास के केंद्र में रखने की यह परंपरा वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सबका साथ, सबका विकास की नीति में भी शामिल है। संविधान में शामिल नीति निर्देशक सिद्धांतों के तहत, राज्य की जिम्मेदारी है कि वह काम करने वालों के लिए मानवीय और न्यायपूर्ण हालात सुनिश्चित करे। इसी दिशा में काम करते हुए, केंद्र सरकार ने हाल ही में 29 लेबर कानूनों को मिलाकर 4 लेबर कोड बनाए हैं। यह काम करने वालों को बेहतर आथ्र्यक और सामाजिक सुरक्षा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। पिछले कुछ सालों में लिए गए कई अहम पॉलिसी फैसलों की वजह से, सभी स्तरों पर मौकों की यह समानता बढ़ी है। इसका एक बड़ा उदाहरण स्टार्टअप इंडिया पहल है, जिसने हाल ही में 10 साल पूरे किए हैं। इसके तहत दिए गए पॉलिसी सपोर्ट, फाइनांशियल मदद और मैंटरशिप से आज किसी के लिए भी इंडस्ट्री शुरू करना बहुत आसान हो गया है। आर्थिक विकास तभी सबको साथ लेकर चलने वाला बनता है, जब मौके की समानता हो। यह इंकम में असमानता को कम करने में अहम भूमिका निभाता है। पिछले 12 सालों में सभी इकोनॉमिक पॉलिसीज इसी आइडिया से प्रेरित रही हैं। वर्ल्ड बैंक के सिप्रिंग 2025 पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ के मुताबिक, भारत ने पिछले दशक में 171 मिलियन लोगों को बहुत ज्यादा गरीबी से बाहर निकाला है। रिजर्वेशन का फायदा सामाजिक रूप से पिछड़े और आर्थि्क रूप से कमजोर तबके को भी मिला है। राइट्स ऑफ पर्सन्स विद डिसेबिलिटीज एक्ट, 2016 और मुस्लिम महिला (शादी पर अधिकारों का संरक्षण) एक्ट, 2019 जैसे कानूनों के जरिए सामाजिक न्याय को और मजबूत किया गया है। इज्जतदार जिंदगी सुनिश्चित करने की इस भावना का एक बड़ा उदाहरण स्वच्छ भारत मिशन है। यह सिर्फ सफाई पर फोकस करने वाली पहल नहीं थी, बल्कि उन करोड़ों लोगों की इज्जत वापस लाने की भी कोशिश थी, जो दशकों से खुले में शौच करने को मजबूर थे। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 80 करोड़ से ज्यादा लोगों को मुफ्त अनाज दिया जा रहा है। साथ ही, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना मुश्किल समय में लाखों भारतीय परिवारों के लिए उम्मीद की किरण बनकर उभरी है। इस योजना के 53 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं, और 72 प्रतिशत से ज्यादा ग्रामीण भारत से आते हैं। यह सामाजिक सुरक्षा का सबको साथ लेकर चलने का सबूत है। जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत का आान किया, तो यह सिर्फ आर्थि्क स्तर तक सीमित नहीं था, बल्कि नागरिकों में आत्मनिर्भरता की भावना को बढ़ाने की भी एक कोशिश थी। इसलिए, मुद्रा योजना और स्किल इंडिया मिशन जैसी पहलों के जरिए नागरिकों को आत्मनिर्भर और उद्यमी बनाने पर जोर दिया गया है। इससे आथ्र्यक रूप से कमजोर तबके के लोगों को बहुत फायदा हुआ है, जो पैसे की कमी की वजह से अच्छी हैल्थकेयर से दूर थे। इसी तरह जन धन योजना ने बड़ी संख्या में नागरिकों को सामान्य बैंकिंग से जोड़कर वित्तीय सुरक्षा दी है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण दिया है।

शिक्षा बच्चों को जिंदगी के लिए तैयार करने वाली होनी चाहिए, उनका बचपन छीनने वाली नहीं

देवी एम. चेरियन

यह बहुत दुखद दृश्य होता है जब आप छोटे बच्चों पर इतना ज्यादा दबाव देखते हैं। नर्सरी फॉर्म से लेकर कॉलेज कट-ऑफ तक-चिंता का लंबा सफर। यह अब पहले से कहीं ज्यादा जल्दी शुरू हो जाता है। यह एक डरावनी कहानी है जब आप युवा माता-पिता को टैंशन में देखते हैं, बोर्ड एग्जाम या करियर चुनने के लिए नहीं, बल्कि नर्सरी एडमिशन फॉर्म के लिए। एक बच्चा जो अभी-अभी डायपर से बाहर निकला है, उससे अचानक उम्मीद की जाती है कि वह सीधा बैठे, सवालों के जवाब दे और क्लासरूम इंटरव्यू में अजनबियों को इम्प्रैस करे। माता-पिता के लिए, खासकर मांओं के लिए, यह शिक्षा प्रणाली का पहला अनुभव होता है जो न सिर्फ बच्चे का, बल्कि पूरे परिवार के धैर्य का इम्तिहान लेती है। स्कूल एडमिशन का स्ट्रैस चुपचाप मॉडर्न पेरैंटिंग के सबसे थका देने वाले सफरों में से एक बन गया है। यह फाऊंडेशन क्लास और नर्सरी स्कूल से शुरू होता है और बिना रुके कॉलेज एडमिशन तक चलता रहता है। जो कभी एक दौर था, वह अब फॉर्म, इंटरव्यू, कोचिंग क्लास, तुलना और लगातार खुद पर शक करने की 10 साल लंबी मैराथन बन गया है। यह हर किसी को चिंतित और गुस्सा दिलाता है लेकिन फिर भी वे लाचार होते हैं। बच्चे के लिए, नर्सरी एडमिशन इंटरव्यू अक्सर डरावने की बजाय कन्फ्यूज करने वाले होते हैं। बच्चा नहीं समझ पाता कि अनजान बड़ों से भरा कमरा अचानक उससे उसका नाम, पसंदीदा रंग, या ऐसी चीजों की पहचान करने के लिए क्यों कह रहा है, जिन्हें उसने सिर्फ पिक्चर बुक में देखा है। कुछ बच्चे जम जाते हैं, कुछ रोते हैं, कुछ बोलने से मना कर देते हैं। शमीर्ला, आत्मविश्वास की कमी या तैयार नहीं का लेबल चुपचाप लगा दिया जाता है, इससे बहुत पहले कि बच्चे को बड़ा होने का मौका मिले। मां के लिए, यह दौर भावनात्मक रूप से बहुत मुश्किल होता है। यह एक तरह की यातना है। उसे सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से बताया जाता है कि उसकी पेरैंटिंग की परीक्षा हो रही है। क्या उसने काफी कहानियां पढ़ीं? क्या उसने घर पर काफी इंगलिश बोली? क्या उसने सही प्ले स्कूल चुना? मांएं इस अनदेखे दबाव को महसूस करती हैं कि 10 मिनट के इंट्रैक्शन में उनका बच्चा कैसा परफॉर्म करता है, इसके लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाएगा। पिता भी चिंता करते हैं लेकिन अक्सर मां ही फॉर्म भरती है, इंटरव्यू में जाती है, स्कूलों से फॉलो-अप करती है और चुपचाप जजमैंट को सहती है। छोटे बच्चों के लिए कोचिंग क्लास एक असहज सच्चाई बन गई है। छोटे बच्चे इंटरव्यू की तैयारी सैशन में जाते हैं जहां उन्हें सवालों के जवाब देने और सीधे बैठने की ट्रेनिंग दी जाती है। माता-पिता जानते हैं कि यह गलत लगता है, फिर भी उन्हें होता है कि वे अकेले ऐसे न हों, जो इसमें हिस्सा न लें। यहीं से पहला दबाव शुरू होता है-मुकाबला करने का दबाव, जल्दी तैयारी करने का दबाव, पीछे न रह जाने का दबाव। जैसे-जैसे बच्चे प्राइमरी स्कूल में जाते हैं, तनाव खत्म नहीं होता, बस अपना रूप बदल लेता है। असैसमैंट, रैंकिंग और तुलना धीरे-धीरे सामने आने लगती हैं। माता-पिता सैक्शन, टीचर और पीयर ग्रुप के बारे में चिंता करने लगते हैं। रिपोर्ट कार्ड में एक खराब टिप्पणी अचानक जरूरत से ज्यादा भारी लगने लगती है। जब तक मिडल स्कूल आता है, मुकाबला अब छिपा हुआ नहीं रहता। ओलिम्पियाड, एक्स्ट्रा क्लास, ट्यूशन और परफॉर्मैंस चार्ट रूटीन बन जाते हैं। माता-पिता अपने बच्चों को प्रोत्साहित करने और उन पर दबाव डालने के बीच तालमेल बिठाते हैं। इस बीच, बच्चे तारीफ को नंबरों से जोडने लगते हैं। आत्मविश्वास शघ्तया हो जाता है। असली प्रैशर कुकर वाला दौर बोर्ड एग्जाम और कॉलेज एडमिशन के साथ आता है। सालों का जमा हुआ तनाव चरम पर पहुंच जाता है। वही बच्चा जो कभी नर्सरी के इंटरव्यू में लडखड़ाता था, अब उससे उम्मीद की जाती है कि वह उन कम्पीटिटिव एग्जाम को पास करे जिनमें लाखों छात्र बैठते हैं। दाव बहुत ज्यादा ऊंचे लगते हैं। माता-पिता कट-ऑफ, फॉर्म, काऊंसलिंग की तारीखों और पैसों के बारे में चिंता करते हैं, बच्चे फेल होने, तुलना और अपने परिवार को निराश करने के बारे में। जिस बात को शायद ही कभी माना जाता है, वह यह है कि एक चिंतित माता-पिता अनजाने में बच्चे में डर पैदा कर देते हैं। एक चिंतित बच्चा माता-पिता को और ज्यादा घबराहट देता है। दोनों एक ही चीज चाहते हैं-एक सुरक्षित, खुशहाल भविष्य-लेकिन सिस्टम उन्हें सर्वाइवल मोड में डाल देता है। और फिर भी, इस सब दबाव के बीच, माता-पिता से यह भी उम्मीद की जाती है कि वे अपने बच्चों में आत्मविश्वास पैदा करें। उनसे कहा जाता है, तुम यह कर लोगे, भले ही वे खुद अनिश्चित हों। यह शायद सबसे मुश्किल भूमिका है, अनिश्चितता के बीच शांत, आशावादी और भरोसा दिलाने वाला बने रहना। बच्चों को ऐसे सिस्टम में लचीलापन सिखाना, जो सिर्फ नतीजों को ईनाम देता है।

दुनिया जल के वैश्विक दिवालियापन की ओर बढ़ रही है

जल है तो जीवन है-यह पंक्ति कोई नारा भर नहीं, बल्कि मानव सभ्यता का शाश्वत सत्य है। बिना जल के जीवन की कल्पना भी संभव नहीं। किंतु विडंबना यह है कि जिस जल को हम जीवन का आधार मानते हैं, वही आज सबसे अधिक संकटग्रस्त संसाधन बन चुका है। देश-दुनिया में जल संकट के हालात विकराल हो चुके हैं और यह संकट अब केवल प्राकृतिक नहीं, बल्कि मानवीय लापरवाही, भ्रष्टाचार और मूल्यहीन शासन का भी परिणाम बनता जा रहा है। विश्व स्तर पर लगभग 25 देश अत्यधिक जल तनाव से जूझ रहे हैं। चार अरब से अधिक लोग वर्ष में कम से कम एक माह पानी की गंभीर कमी का सामना करते हैं। मध्य पूर्व, उत्तरी अफ्रीका और दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्र इस संकट की अग्रिम पंक्ति में खड़े हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। यहां 60 करोड़ से अधिक लोग उच्च जल तनाव वाले क्षेत्रों में रहते हैं। राजस्थान, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा और तमिलनाडु जैसे राज्य सबसे अधिक प्रभावित हैं, जबकि चेन्नई, बेंगलूरु और दिल्ली जैसे महानगरों में पानी की कमी रोजमर्रा की समस्या बन चुकी है। दरअसल, जल संकट अब वाटर स्ट्रेस से आगे बढ़कर ग्लोबल वाटर बैंक्रप्सी यानी दुनिया जल के वैश्विक दिवालियेपन की ओर बढ़ रही है। स्थिति यह है कि जल स्त्रोतों का दोहन इतनी तीव्रता से हो रहा है कि उनकी प्राकृतिक भरपाई असंभव होती जा रही है। भूजल स्तर निरंतर गिर रहा है, नदियां सूख रही हैं और तालाब अतिक्रमण की भेंट चढ़ रहे हैं। यह संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और नैतिक संकट भी है। जल संकट का सीधा प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। कृषि, उद्योग और ऊर्जा-तीनों ही क्षेत्र पानी पर निर्भर हैं। जब खेतों को पानी नहीं मिलता, उद्योग ठप होते हैं और बिजली उत्पादन प्रभावित होता है, तो देश की

जीडीपी में 6 प्रतिशत तक की कमी का खतरा उत्पन्न हो जाता है। आमजन के लिए यह संकट जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर बन जाता है। जहां पानी पर्याप्त है, वहां बबार्दी हो रही है और जहां पानी की सबसे अधिक आवश्यकता है, वहां लोग बूंद-बूंद को तरस रहे हैं। भारत सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जल संरक्षण को राष्ट्रीय प्राथमिकता का विषय बनाया है। जल जीवन मिशन, अटल भूजल योजना और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जैसे कार्यक्रम इसी दिशा में ऐतिहासिक पहल हैं। जल जीवन मिशन का लक्ष्य हर घर तक नल से जल पहुंचाना है, ताकि स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित किया जा सके। अटल भूजल योजना भूजल के सतत प्रबंधन और सामुदायिक सहभागिता पर केंद्रित है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना हर खेत को पानी के संकल्प को साकार करने का प्रयास है। इसके साथ ही जल शक्ति अभियान के तहत वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण और जनभागीदारी पर विशेष जोर दिया गया। इन योजनाओं ने निश्चित रूप से जल संरक्षण के प्रति राष्ट्रीय चेतना को जाग्रत किया है। कई क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन संरचनाएं बनी हैं, ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई को बढ़ावा मिला है और भूजल पुनर्भरण के प्रयास हुए हैं। लेकिन इस सकारात्मक तस्वीर के पीछे एक कड़वी सच्चाई भी छिपी है- प्रशासनिक भ्रष्टाचार। यही वह दीमक है जो इन योजनाओं की उपयोगिता और प्रासंगिकता को नष्ट कर रही है, उन्हें मूल्यहीन बना रही है। जल संकट से जुड़ी योजनाओं में भ्रष्टाचार कई रूपों में दिखाई देता है-घटिया निर्माण, फर्जी आंकड़े, अधूरी परियोजनाएं, कमीशनखोरी और जवाबदेही का अभाव। कहीं कागजों में ही वर्षा जल संचयन संरचनाएं बन जाती हैं, तो कहीं पाइपलाइन बिछाने में घटिया सामग्री का उपयोग होता है। कई स्थानों पर योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंच ही नहीं पाता। परिणाम यह होता है कि करोड़ों रुपये खर्च हो जाते हैं, लेकिन न पानी मिलता है और न संकट कम होता है। भ्रष्टाचार केवल धन की बबार्दी नहीं करता, वह भविष्य की पीढ़ियों का अधिकार भी छीन लेता है। इन जटिल होती जल संकट स्थितियों के प्रति नहीं चेते तो आने वाली पीढ़ियों को बूंद-बूंद के लिये तरसना पडेगा। जल जैसे जीवनदायी संसाधन के साथ किया गया भ्रष्टाचार वास्तव में मानवता के साथ अपराध है। जब जल संरक्षण की योजनाएं कागजों में सिमट जाती हैं, तब जल संकट और भी गहरा हो जाता है। यही कारण है कि आज योजनाएं तो हैं, नीतियां भी हैं, लेकिन परिणाम अपेक्षित नहीं हैं।

टाटा सफारी में बिठाकर लड़की की हत्या, चार गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में लव ट्राएंगल में युवकों ने एक 16 साल की लड़की हत्या कर दी। उसे मिलने बुलाया फिर टाटा सफारी में बिठाकर उसका गला घोंट दिया। पुलिस ने लड़की हत्या करने वाले 4 युवकों को गिरफ्तार किया है। चारों ने उसे लड़की की हत्या करने के बाद शव को ट्रेन की पटरी पर रख दिया जिससे ट्रेन आने पर मृतका का सिर धड़ से अलग हो गया। हत्यारोपियों में से 20 साल के एक लड़के ने लड़की से इंस्टाग्राम पर दोस्ती की थी। उसने अपने ही दोस्त से लड़की के फोन पर बात करने पर हत्या की साजिश रची। लड़की को दिन ढलने के बाद फोन कर मिलने बुलाया। लड़की पहुंच गई। उसे सफारी में बिठाकर अपने 3 दोस्तों के साथ मिलकर उसका गला घोंट दिया। लड़की 13 जनवरी को घर से लापता हुई थी। मामला पारा थाना क्षेत्र के नरपत खेड़ा का है। यहां की 16 साल की लड़की 13 जनवरी को घर से लापता हो गई थी। लड़की की मां ने पारा थाने में दूसरे ही दिन सूचना दी थी कि उनकी 16 वर्षीय पुत्री को अंशू गौतम उर्फ लक्की बहला-फुसलाकर भगा ले गया। पुलिस ने गुमशुदगी में मामला दर्ज किया। पुलिस टीम ने अंशू गौतम को 25 जनवरी को गिरफ्तार किया।

घुटनों के दर्द की वजह से उठने-बैठने में होती है परेशानी? इन घरेलू उपायों से दूर होगी आपकी समस्या

ठंड के दिनों में जोड़ों में दर्द की समस्या बढ़ जाती है। इसलिए आइए इस लेख में आर्थराइटिस की समस्या से बचने के बारे में कुछ आसान उपायों के बारे में जानते हैं। गठिया या अर्थराइटिस आज के समय में केवल बुजुर्गों की नहीं, बल्कि खराब जीवनशैली के कारण युवाओं की भी एक गंभीर समस्या बन गई है। जब हमारे जोड़ों के बीच मौजूद लचीला ऊतक यानी 'कार्टिलेज' धीरे-धीरे घिसने लगता है, तो हड्डियां आपस में रगड़ खाने लगती हैं, जिससे घुटनों में तेज दर्द, सूजन और अकड़न महसूस होती है। यह स्थिति सुबह उठने के समय या सीढ़ियाँ चढ़ते-उतरते समय और भी कष्टदायक हो जाती है। शरीर में यूरिक एसिड का बढ़ना या ऑटोइम्यून डिसऑर्डर भी जोड़ों के दर्द का मार्ग प्रशस्त करते हैं। अगर समय रहते इन संकेतों को नहीं समझ पाते हैं तो जोड़ों की समस्याएं और बढ़ सकती हैं, जिससे चलने-फिरने में भी लाचारी महसूस होने लगती है। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार, दवाइयों के साथ-साथ नेचुरल उपचार और सही खान-पान जोड़ों के भीतर के 'सिनोवियल फ्लूइड' को बनाए रखने और सूजन को कम करने में अच्छी भूमिका निभा सकते हैं।

गठिया के दर्द को कम करने में कौन से औषधीय मसाले सबसे अधिक प्रभावी हैं?

आपकी रसोई में मौजूद हल्दी और अदरक गठिया के लिए किसी औषधि से कम नहीं हैं। हल्दी में मौजूद 'करक्यूमिन' तत्व एक शक्तिशाली एंटी-इंफ्लेमेटरी एजेंट है, जो जोड़ों की सूजन को कम करता है। रोजाना दूध में हल्दी मिलाकर पीने या अदरक का काढ़ा लेने से जोड़ों के दर्द में काफी राहत मिलती है। ये तत्व हड्डियों के बीच होने वाले घर्षण को कम करने और ऊतकों को पुनर्जीवित करने में सहायता करते हैं।

क्या मालिश और तेल का सही चुनाव जोड़ों के लचीलेपन को बढ़ा सकता है?

जी हां, नियमित मालिश से प्रभावित क्षेत्र में ब्लज सकुर्लेशन को बढ़ता है, जिससे जकड़न दूर होती है। लहसुन को सरसों के तेल में पकाकर जोड़ों की मालिश करना सदियों पुराना और असरदार उपाय है। इसके अलावा जैतून का तेल या अरंडी का तेल भी सूजन घटाने में कारगर होता है। तेल की गर्माहट मांसपेशियों को आराम देती है और जोड़ों के भीतर जमा जहरीले तत्वों को बाहर निकालने में मदद करती है।

खान-पान और व्यायाम में कौन से बदलाव करना अनिवार्य है?

गठिया के मरीजों को अपने आहार में ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर अखरोट और अलसी के बीजों को शामिल करना चाहिए। साथ ही 'लो-इम्पैक्ट' व्यायाम जैसे साइकिलिंग या तैराकी जोड़ों को बिना नुकसान पहुंचाए मजबूत बनाते हैं। इन सब के साथ वजन नियंत्रित रखना सबसे महत्वपूर्ण है, क्योंकि शरीर का अतिरिक्त भार सीधे घुटनों पर दबाव डालता है। मेथी दाने को रात भर भिगोकर उसका पानी पीना भी यूरिक एसिड कम करने में सहायक होता है।

क्या करें?

घुटनों का दर्द आपकी परशानी दूर कर सकता है, लेकिन सही घरेलू उपचार और अनुशासन से इसे नियंत्रित किया जा सकता है। अपनी दिनचर्या में योग और हर्बल उपचार को शामिल करें। अगर सूजन अत्यधिक हो या जोड़ों से आवाज आने लगे, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें। आपकी सक्रिया दिनचर्या और सही देखभाल ही आपके जोड़ों को लंबी समय स्वस्थ्य रखेगी।

महंगे सीरम बेकार हैं? ये देसी चीज करती है उनसे बेहतर काम

आपके घर पर रखी ये एक चीज महंगे सीरम पर भारी पड़ सकती है। बिना पैसे खर्च किए सीरम जैसे फायदे, वो भी स्थाई रूप से चाहते हैं तो इस एक प्राकृतिक स्किन केयर उत्पाद का उपयोग करें। त्वचा की देखभाल के लिए महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स की भरमार है। महंगे उत्पाद के नाम स्किनकेयर इंडस्ट्री हमें चमकदार बोतलें, विदेशी नाम और हजारों की कीमत का उत्पाद देती है। कंपनियां बड़े बड़े दावे करती हैं कि खूबसूरत त्वचा सिर्फ सीरम से ही मिलती है। लेकिन महंगे सीरम सिर्फ मार्केटिंग के लिए हैं, लंबे समय तक आपकी त्वचा को सेहत और सुंदरता नहीं दे सकते हैं, क्योंकि इनमें कैमितल की मात्रा होती है जो धीरे धीरे स्किन को अंदर से डैमेज कर सकती है। त्वचा की सेहत प्राकृतिक उपायों से ही स्थाई और लंबे समय तक बनी रहती है। हमारी रसोई में मौजूद एक देसी चीज दशकों से वही काम कर रही है, वो भी बिना साइड इफेक्ट और बिना जेब खाली किए। सीरम के बजाए आप घर में रखे एलोवेरा का उपयोग करें। यह कोई नया ट्रेंड नहीं है, बल्कि दादी-नानी का आजमाया घरेलू उपाय है। आइए जानते हैं कि महंगे सीरम और एलोवेरा में से कौन ज्यादा असरदार है और सीरम के क्या नुकसान हो सकते हैं।

महंगे सीरम के नुकसान

ज्यादातर सीरम केमिकल-हैवी होते हैं।

हर स्किन टाइप पर सूट नहीं करते हैं।

लंबे समय तक इस्तेमाल से ब्रेकआउट, जलन और पिग्मेंटेशन बढ़ा सकते हैं।

असर से ज्यादा उम्मीदें बेची जाती हैं।

स्किन को जितनी जरूरत है, उतना पोषण नहीं देते हैं बल्कि ज्यादा एक्सपेरिमेंट मिल रहा है।

एलोवेरा के फायदे

एलोवेरा सिर्फ एक पौधा नहीं, नेचुरल स्किन टॉनिक है।

यह त्वचा को गहराई से हाइड्रेट करता है

मुंहासे और जलन में शांत असर देता है।

सनबर्न और टैनिंग को धीरे-धीरे कम करता है।

एंटीऑक्सीडेंट्स से स्किन को यंग लुक देता है।

ऑयली, ड्राय, सेंसिटिव हर स्किन टाइप के लिए सुरक्षित है।

मूंगफली सेहत के लिए काफी लाभदायी है। आप सिर्फ रोस्टेड मूंगफली या चटनी नहीं, इससे सब्जी भी बना सकते हैं, जो स्वाद और सेहत दोनों के लिए बेस्ट विकल्प बनेगी, वो भी सस्ते में। स्वाद चाहिए और सेहत भी चाहिए, वो भी बहुत कम खर्च में तो मूंगफली को अपने खाने में शामिल करें। अब आप कहेंगी, आप पहले से ही मूंगफली का सेवन करती हैं, कभी मूंगफली की चटनी के रूप में तो कभी रोस्टेड मूंगफली के तौर पर एक स्नैक्स के रूप में। लेकिन क्या कभी आपने मूंगफली को अपने भोजन का मुख्य व्यंजन बनाया है? मूंगफली को हम अक्सर चटनी, नमकीन या हल्की भूख मिटाने वाला स्नैक मान लेते हैं। लेकिन सच ये है कि मूंगफली एक पूरी सब्जी बनने की काबिलियत रखती है। महाराष्ट्र, कर्नाटक और ग्रामीण उत्तर भारत में मूंगफली की सब्जी पीढ़ियों से बनती आ रही है। यह एक सादा, पौष्टिक और पेट भर देने वाली रेसिपी है। अगर रोज-रोज की सब्जियों से मन ऊब गया है, तो यह रेसिपी रसोई में ताजी हवा बनकर आएगी। मूंगफली प्रोटीन और हेल्दी फैट से भरपूर होती है। इसका सेवन लंबे समय तक पेट भरा रखती है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी के लिए फायदेमंद है और बिना ज्यादा मसालों के भी स्वादिष्ट बनता है। अब इतने फायदे हैं तो क्यों न लंच या डिनर में मूंगफली की सब्जी बनाई जाए। यहां मूंगफली की सब्जी बनाने की सामग्री और पूरी विधि दी जा रही है।

सब्जी बनाने के लिए सामग्री

कच्ची मूंगफली (छिली हुई) झ 1 कप

प्याज झ 1 (बारीक कटा)

टमाटर झ 1 (पिसा हुआ)

लहसुन झ 5झ6 कलियां

हरी मिर्च झ 1 (वैकल्पिक)

हल्दी झ आधा छोटा चम्मच

धनिया पाउडर झ 1 टीस्पून

लाल मिर्च झ स्वादानुसार

जीरा झ आधा छोटा चम्मच

सरसों का तेल या मूंगफली का तेल झ 2 टेबलस्पून

नमक झ स्वादानुसार

हरा धनिया झ सजाने के लिए

मूंगफली की सब्जी बनाने की विधि

स्टेप 1- सबसे पहले मूंगफली को हल्का उबाल लें या कुकर में 1 सीटी लगा लें। ध्यान रहे मूंगफली गल जाए, लेकिन टूटे नहीं।

स्टेप 2- अब सब्जी का तड़का बनाएं। इसके लिए कढ़ाही में तेल गरम करें।

स्टेप 3- उसमें जीरा डालें। फिर लहसुन और हरी मिर्च डालकर खुशबू आने तक भूनें।

स्टेप 4- अब प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें।

स्टेप 5- इसके बाद टमाटर प्यूरी, हल्दी, धनिया पाउडर और लाल मिर्च डालें और हल्का पानी डालकर 8-10 मिनट धीमी आंच पर पकाएं।

स्टेप 8- ध्यान रखें कि ग्रेवी ज्यादा गाढ़ी न रखें। थोड़ी रसीली ही स्वाद बढ़ाती है।

स्टेप 9- नमक डालें, ऊपर से हरा धनिया छिड़कें और गैस बंद कर दें।

गरम-गरम बाजरे या ज्वार की रोटी के साथ सर्व करें।

बनाते समय लहसुन-प्याज न डालें तो व्रत में भी सेवन कर सकते हैं।

महिलाओं की सेहत के लिए खतरे की घंटी, आपकी ये छोटी सी लापरवाही बन सकती है बड़ी मुसीबतों का कारण

नींद पूरी न होना या देर रात तक जागना महिलाओं की सेहत पर गहरा असर डाल सकता है। लगातार खराब स्लीप पैटर्न से हार्मोनल बैलेंस बिगड़ता है, जिससे पीरियड्स अनियमित होना, पीसीओएस का खतरा बढ़ना और फर्टिलिटी पर असर पड़ सकता है। अच्छी सेहत पाना मौजूदा समय की सबसे बड़ी जरूरत भी है और चुनौती भी। हालांकि दुनियाभर में जिस तेजी से डायबिटीज, हृदय रोग, हाई ब्लड प्रेशर हो या डायबिटीज-किडनी की बीमारियां, ये बढ़ती जा रही हैं, इसको लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञ काफी चिंतित हैं। जब बात महिलाओं की सेहत की आती है तो ये चिंता और भी बढ़ जाती है। मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि महिलाओं की सेहत लगातार चुनौतियों से जूझ रही है। करियर, परिवार और सामाजिक जिम्मेदारियों के बीच महिलाएं अक्सर अपनी सेहत को प्राथमिकता नहीं दे पातीं। इसके अलावा खराब लाइफस्टाइल, अनियमित खानपान, शारीरिक गतिविधियों में कमी और बढ़ते मानसिक तनाव ने समस्यों को और भी गंभीर बना दिया है। पर्याप्त पोषण की कमी महिलाओं में एनीमिया का खतरा बढ़ाती जा रही है, भारत में 57% से अधिक महिलाएं खून की कमी का शिकार हैं। इन समस्याओं के अलावा स्वास्थ्य विशेषज्ञ एक छोटी सी लापरवाही को लेकर भी सभी महिलाओं को सावधान करते हैं, जो धीरे-धीरे शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की सेहत को खराब करती जा रही है।

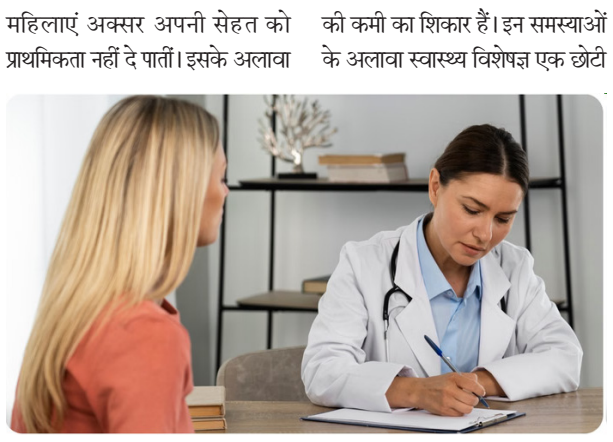

नींद की कमी महिलाओं की सेहत का दुश्मन

महिलाओं में नींद की समस्या या रात में देर से सोने की आदत को स्वास्थ्य विशेषज्ञ सेहत के लिए बहुत हानिकारक मानते हैं। नींद की कमी एक साइलेंट खतरे के रूप में उभर रही है। देर रात तक जागना, स्क्रीन टाइम बढ़ना और स्ट्रेस के कारण महिलाओं की नींद पूरी नहीं हो पाती। अध्ययनों से पता चलता है कि रात में 8 घंटे से कम की नींद हार्मोनल असंतुलन के साथ महिलाओं की शारीरिक और मानसिक सेहत दोनों को प्रभावित कर सकती है। कम उम्र में ही पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) मोटापा, डायबिटीज, थायरॉइड और मेंटल हेल्थ से जुड़ी समस्याओं के लिए सीधे तौर पर नींद विकारों या देर से सोने की आदत को जिम्मेदार पाया गया है।

हार्मोनल असंतुलन और पीरियड्स से जुड़ी समस्याएं

नींद पूरी न होना महिलाओं के हार्मोन सिस्टम को सबसे पहले प्रभावित करता है। नींद के दौरान शरीर एस्ट्रोजन, प्रोजेस्टेरोन और मेलाटोनिन जैसे जरूरी हार्मोन को संतुलत करता है।

जब महिलाएं देर रात तक जागती हैं या 7-8 घंटे की नींद नहीं ले पातीं, तो इससे हार्मोनल साइकिल बिगड़ जाती है।

इसका सीधा असर पीरियड्स पर पड़ता है, जिससे अनियमित माहवारी, ज्यादा दर्द, हैवी ब्लीडिंग या पीरियड्स का देर से आना जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

लगातार नींद की कमी पीसीओएस के खतरे को भी बढ़ाती है, जिसके कारण प्रजनन स्वास्थ्य भी प्रभावित होने लग जाता है। इससे गर्भधारण में परेशानी और मूड स्विंग्स बढ़ सकते हैं।

मेटाबॉलिज्म की समस्या

नींद कम आने या फिर देर रात से सोने की आदत मेटाबॉलिज्म से संबंधित समस्याओं को भी बढ़ाने वाली हो सकती है। इसका सीधा असर वजन पर पड़ता है।

नींद पूरी न होने के कारण भूख को कंट्रोल करने वाले हार्मोन लेप्टिन और घ्रेलिन में असंतुलन हो जाता है।

इस वजह से भूख ज्यादा लगती है और हाई-कैलोरी, मीठा या जंक फूड खाने की क्रेविंग बढ़ जाती है, जो बढ़ाने बढ़ाने वाले माने जाते हैं।

जो महिलाएं रोजाना 6 घंटे से कम सोती हैं, उनमें मोटापा और पेट की चर्बी बढ़ने का खतरा ज्यादा होता है।

देर रात तक जागना और नींद की कमी महिलाओं की मानसिक सेहत के लिए भी बहुत नुकसानदायक मानी जाती है।

नींद के दौरान दिमाग खुद को रिलैक्स करता है और स्ट्रेस हार्मोन कोर्टिसोल को कंट्रोल करता है।

छोटी सी चीज गजब के फायदे, सेहत के लिए बेहद कारगर है कपूर

पूजा-पाठ में इस्तेमाल किया जाने वाला कपूर सिर्फ धार्मिक महत्व ही नहीं रखता, बल्कि इसके औषधीय और घरेलू फायदे भी बेहद खास हैं। आमतौर पर माना जाता है कि कपूर जलाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है, लेकिन आयुर्वेद और घरेलू नुस्खों में भी कपूर का इस्तेमाल सेहत, त्वचा और घर के वातावरण को बेहतर बनाने के लिए किया जाता रहा है। सही तरीके से इस्तेमाल करने पर कपूर कई समस्याओं से राहत दिला सकता है। आइए जानते हैं कि पूजा के अलावा कपूर को और किन-किन तरीकों से उपयोग में लाया जा सकता है।

त्वचा के लिए फायदेमंद

कपूर में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो त्वचा से जुड़ी कई समस्याओं में मददगार होते हैं।

खुजली, खाज या हल्की एलर्जी में राहत

दाग-धब्बों को हल्का करने में सहायक।

कैसे करें इस्तेमाल

थोड़ी सी कपूर की टिक्की को नारियल तेल में मिलाकर प्रभावित जगह पर लगाएं।

चेहरे के लिए कपूर को चंदन पाउडर में मिलाकर हल्का लेप बनाएं और 10 मिनट बाद चेहरा धो लें।

ध्यान रखें कि कपूर को ज्यादा मात्रा में या लंबे समय तक त्वचा पर न लगाएं।

बैक्टीरिया और नेगेटिव एनर्जी दूर करे

शाम के समय घर में कपूर जलाने से न सिर्फ वातावरण शुद्ध होता है, बल्कि हवा में मौजूद बैक्टीरिया भी कम होते हैं।

तरीकारू कपूर के साथ थोड़ा सा देसी घी, लौंग, दालचीनी और सूखी धूप जलाकर घर में धुआं दिखाएं।

इससे घर में अच्छी खुशबू फैलती है और मन को शांति मिलती है।

यह केवल धार्मिक रिच्युअल नहीं, बल्कि एक प्राकृतिक एयर प्यूरीफायर की तरह काम करता है।

कीड़े-मकोड़ों से करे बचाव

कपूर की तेज खुशबू कीड़े-मकोड़ों को बिल्कुल पसंद नहीं होती।

रसोई की कैबिनेट

अलमारी

स्टोर रूम

कैसे इस्तेमाल करें

एक सूती कपड़े में कपूर की टिक्की बांधकर इन जगहों पर रख दें।

इससे कॉकरोच, चींटियां और छोटे कीड़े दूर रहते हैं।

जुकाम और सांस की समस्या में राहत

कपूर सर्दी-जुकाम, बंद नाक और खांसी में भी असरदार माना जाता है।

उपयोग के तरीके

गर्म पानी में थोड़ा सा कपूर डालकर भाप लें।

कपूर को पीसकर कपड़े में बांधें, उसमें भुनी हुई अजवाइन मिलाकर हल्की गर्म पोटली को सूंघें।

इससे नाक खुलती है और सांस लेने में आराम मिलता है।

कमजोरी से लेकर कब्ज तक में रामबाण है ये पहाड़ी आलू, महंगे सुपरफूड भी इसके सामने फेल

आज के समय में जब बाजार में मिलने वाला खाना अक्सर केमिकल और प्रिजर्वेटिव से भरा होता है, लोग फिर से प्राकृतिक और पारंपरिक चीजों की ओर लौट रहे हैं। ऐसे में पहाड़ी इलाकों में पीढ़ियों से खाई जाने वाली गेठी, जिसे कई जगहों पर कंदमूल, पहाड़ी आलू या बेल वाला आलू कहा जाता है, स्वास्थ्य का असली खजाना साबित हो रही है। यह बेल पर उगने वाला कंद न केवल स्वाद में अच्छा है, बल्कि इसमें कई औषधीय गुण भी छिपे हैं।

गेठी कैसे खाई जाती है

पहाड़ी इलाकों में गेठी को अलग-अलग तरीकों से पकाया जाता है। कुछ लोग इसे उबालकर नमक-मिर्च के साथ खाते हैं, जबकि कुछ लोग इसे भूनकर या मसालेदार सब्जी के रूप में इस्तेमाल करते हैं। सही तरीके से पकाई जाए तो यह पेट पर भारी नहीं पड़ती और खाने में स्वादिष्ट भी लगती है। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी लोग मौसम के अनुसार गेठी को अपने रोजमर्रा के खाने में शामिल करते हैं।

पाचन और कमजोरी में सहायक

गेठी स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी मानी जाती है। इसमें फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, जो पाचन को दुरुस्त करती है और कब्ज जैसी समस्या में राहत देती है। इसके अलावा, इसमें आयरन और आवश्यक मिनरल्स भी पाए जाते हैं, जो शरीर को ताकत देते हैं और कमजोरी दूर करने में मदद करते हैं। यही वजह है कि पहाड़ों में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी इसे खाते हैं।

पुरानी पीढ़ियों की देसी दवा

गांव की हेमवंती देवी बताती हैं कि पुराने समय में जब दवाइयाँ आसानी से उपलब्ध नहीं होती थीं, तब गेठी जैसी देसी चीजें ही लोगों का सहारा होती थीं। हेमवंती देवी कहती हैं, हमारे जमाने में गेठी रोज के खाने का हिस्सा थी। पेट खराब हो, कमजोरी लगे या काम की थकान हो, गेठी खा लो। यह दवा जैसी है, लेकिन पूरी तरह शुद्ध और प्राकृतिक।

आज फिर लौटने की जरूरत

आज के दौर में हमें अपनी थाली में फिर से ऐसी पारंपरिक और पौष्टिक चीजों को शामिल करने की जरूरत है। गेठी हमें यह याद दिलाती है कि अच्छी सेहत महंगी सप्लीमेंट्स या पैकेट वाले खाने में नहीं, बल्कि देसी और प्राकृतिक भोजन में छिपी होती है। यह साधारण दिखने वाली सब्जी अपने अंदर सेहत का असली खजाना समेटे हुए है। गेठी या पहाड़ी आलू पाचन सुधारने, कमजोरी दूर करने और शरीर को ताकत देने में अद्भुत है। इसे अपने रोजमर्रा के खाने में शामिल करना हर घर के लिए लाभकारी साबित हो सकता है।

दुकान में बमबाजी करने वाले 5 गिरफ्तार, 10 लाख रंगदारी न मिलने पर की घटना

लखनऊ (संवाददाता)। दुबग्गा क्षेत्र में एस.आर. ट्रेडर्स बिल्डिंग पर दिनदहाड़े बम फेंकने वाले पांच आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। 10 लाख रुपए की रंगदारी न मिलने पर घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने इस मामले में गैंग सरगना समेत 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। डीसीपी वेस्ट विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया- 16 जनवरी 2026 को शाम करीब 5.30 बजे ग्राम सिकरौरी स्थित एस.आर. ट्रेडर्स की बिल्डिंग पर अज्ञात बदमाशों ने बम फेंका था। ये बिल्डिंग ठकवा मलिहाबाद निवासी अंकित कुमार सिंह पुत्र मानसिंह की थी। इसके पहले उनसे मोबाइल फोन पर धमकी देकर 10 लाख रुपए की रंगदारी मांगी गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए टीमों का गठन किया गया। सोमवार को पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर शेखपुरवा मोड़ से 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इन्द्रेश कुमार सिंह (गैंग सरगना), ज्ञानेन्द्र कुमार, राज उर्फ राजा, मोनू और अंकित कुमार के रूप में हुई। पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि अभियुक्तों ने 11 जनवरी 2026 को थाना मलिहाबाद क्षेत्र के ग्राम जगतापुर में एक व्यक्ति से मोबाइल फोन लूटा था।

स्कॉटलैंड की विश्व कप में तो हुई एंट्री, पर जताई ये चिंता; वीजा से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली। स्कॉटलैंड की टीम में पाकिस्तानी मूल के तेज गेंदबाज सफयान शरीफ भी शामिल हैं। भारतीय वीजा के लिए आवेदन करने वाले पाकिस्तानी मूल के आवेदकों की अधिक गहन जांच की जाती है, जिसके कारण प्रक्रिया में अधिक समय लगता है। क्रिकेट स्कॉटलैंड की मुख्य कार्यकारी अधिकारी टुडी लिंडब्लेड को भरोसा है कि उनके राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों को टी20 विश्व कप के लिए भारत की यात्रा करने के लिए समय पर वीजा मिल जाएगा। बांग्लादेश ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए भारत में खेलने से इनकार कर दिया था जिसके बाद उसके स्थान पर स्कॉटलैंड को टी20 विश्व कप में शामिल किया गया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने स्पष्ट किया था कि भारत में किसी भी तरह सुरक्षा को खतरा नहीं है। स्कॉटलैंड सात फरवरी को कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगा। स्कॉटलैंड की टीम में पाकिस्तानी मूल के तेज गेंदबाज सफयान शरीफ भी शामिल हैं। भारतीय वीजा के लिए आवेदन करने वाले पाकिस्तानी मूल के आवेदकों की अधिक गहन जांच की जाती है, जिसके कारण प्रक्रिया में अधिक समय लगता है। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार लिंडब्लेड ने कहा, 'हम सभी आईसीसी के साथ मिलकर इसे साकार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वीजा का मामला हमेशा थोड़ा अनिश्चित होता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपके पास तीन दिन हैं या 45 दिन।' उन्होंने कहा, 'पिछले 48 घंटों में हमारा पूरा ध्यान इसी बात पर रहा है। खिलाड़ियों के वीजा की प्रक्रिया पूरी करना ताकि वे खेलने के लिए पूरी तरह तैयार हों। वे सभी अपने वीजा के लिए आवेदन कर रहे हैं और हम जितनी जल्दी हो सके भारत पहुंच जाएंगे। इसमें अब केवल कुछ समय की बात है।' शरीफ का जन्म हडर्सफील्ड में एक पाकिस्तानी पिता और एक ब्रिटिश-पाकिस्तानी मां के घर हुआ था। वह सात साल की उम्र में स्कॉटलैंड चले गए थे। लिंडब्लेड ने कहा, 'आईसीसी हमें केवल उन्हीं चीजों के बारे में आश्वासन दे सकता है जिन पर उनका नियंत्रण है। हम उनके साथ मिलकर काम कर रहे हैं और जाहिर है कि वे बीसीसीआई और वहां के स्थानीय लोगों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि हमें वह सभी सहयोग मिले जिसकी हमें जरूरत है।' स्कॉटलैंड के सीनियर अधिकारी स्टीव स्नेल ने कहा, 'हम बीसीसीआई से जब भी संभव हो सहयोग मिलने की उम्मीद कर रहे हैं। स्कॉटलैंड को विश्व कप में शामिल किए जाने के बाद उसका वहां न पहुंच पाना किसी के लिए भी अच्छा नहीं होगा।' लिंडब्लेड ने कहा कि स्कॉटलैंड बांग्लादेश के प्रति सहानुभूति रखता है और वे आईसीसी के इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में इस तरह से शामिल नहीं होना करना चाहते थे। उन्होंने कहा, 'हमें बांग्लादेश टीम के लिए निश्चित रूप से सहानुभूति है। हम इस तरह से विश्व कप में प्रवेश नहीं करना चाहते थे। एक क्वालिफिकेशन प्रक्रिया होती है और कोई भी उस तरह से क्वालिफाई करना, भाग लेना या विश्व कप के लिए आमंत्रित होना नहीं चाहता जिस तरह से हमने किया है। हम बांग्लादेश के खिलाड़ियों के प्रति सहानुभूति रखते हैं।'

जोविक को हराकर शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका सेमीफाइनल में, छत खुली रखकर खेला गया मुकाबला

मेलबर्न। सबालेंका ने दूसरे सेट में दो ब्रेकप्वाइंट लेकर 5-0 की बढ़त बना ली और अमेरिकी खिलाड़ी की उम्मीद पर पूरी तरह से पानी फेर दिया। सबालेंका ने ऐस लगाकर मैच प्वाइंट हासिल किया तथा एक और ऐस लगाकर मैच अपने नाम किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त एरिना सबालेंका ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मंगलवार को यहां अमेरिका की 18 वर्षीय खिलाड़ी इवा जोविक को 6-3, 6-0 से हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। मेलबर्न में भीषण गर्मी की चेतावनी जारी होने और तापमान 40 डिग्री सेल्सियस (104 डिग्री फॉरेनहाइट) से ऊपर रहने की आशंका के चलते रॉड लेवर स्टेडियम में

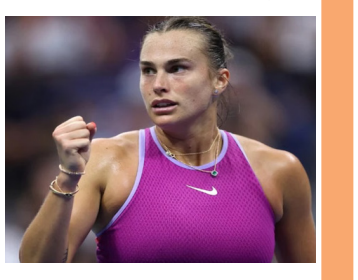

शुरू हुआ मैच छत खुली रखकर खेला गया। लेकिन अलेक्जेंडर ज्वेरेव और अमेरिकी खिलाड़ी लर्नर टिएन के बीच पुरुष क्वार्टरफाइनल मैच के लिए इसे बंद कर दिया गया। पुरुष वर्ग में तीसरी वरीयता प्राप्त ज्वेरेव ने बंद छत के नीचे खेलने का फायदा उठाया और 20 वर्षीय टिएन पर 6-3, 6-7 (5), 6-1, 7-6 (3) से जीत दर्ज करके अंतिम चार में जगह बनाई। ज्वेरेव ने 24 ऐस लगाए और केवल एक डबल फॉल्ट किया। उन्होंने किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में दसवीं बार सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ज्वेरेव ने मैच के बाद कहा, 'वह बेहतरीन खिलाड़ी है। पिछले साल की तुलना में उसके खेल में काफी सुधार हुआ है। उसने बेसलाइन से जिस तरह का खेल दिखाया वह अद्वितीय था। मुझे लगता है उसने अभिश्वसनीय खेल का प्रदर्शन किया।' ऑस्ट्रेलियाई ओपन में पिछले चार साल में तीसरा खिताब जीतने की कोशिश में लगी सबालेंका ने अच्छी शुरूआत की और पहले सेट में 3-0 से बढ़त बनाकर 29वीं वरीयता प्राप्त जोविक पर शुरूआत में ही अपना दबदबा कायम कर लिया। जोविक ने वापसी की कोशिश की और उन्हें 10 मिनट तक चले नौवें गेम में ब्रेकप्वाइंट के तीन मौके मिले। सबालेंका ने दूसरे सेट में दो ब्रेकप्वाइंट लेकर 5-0 की बढ़त बना ली और अमेरिकी खिलाड़ी की उम्मीद पर पूरी तरह से पानी फेर दिया। सबालेंका ने ऐस लगाकर मैच प्वाइंट हासिल किया तथा एक और ऐस लगाकर मैच अपने नाम किया। पिछले दौर में कनाडा की 19 वर्षीय खिलाड़ी विक्टोरिया एमबोको को हराने वाली सबालेंका ने कहा, पिछले कुछ राउंड में मुझे युवा खिलाड़ियों ने कड़ी चुनौती दी। यह अविश्वसनीय खिलाड़ी हैं। यह काफी मुश्किल मैच था। स्कोर मत देखिए। यह बिल्कुल भी आसान मैच नहीं था। उसने शानदार खेल दिखाया और मुझे अपने खेल का स्तर बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

ऑस्ट्रेलिया के इस घातक तेज गेंदबाज ने अचानक लिया संन्यास, 2021 विश्व विजेता टीम का रह चुके हिस्सा

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाज केन रिचर्डसन ने क्रिकेट से संन्यास लिया। 2008-09 में डेब्यू, 2013 में अंतरराष्ट्रीय शुरूआत। हर इछ सीजन में हिस्सा लेने वाले चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल, 142 विकेट लेकर लीग के पांचवें सबसे सफल गेंदबाज के रूप में करियर पूरा किया। क्छछ और अन्य फ्रेंचाइजी लीग्स में भी खेले। संन्यास का कारण बताते हुए कहा कि उन्होंने अपने क्रिकेट सफर से हर बूंद निकाल ली। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज केन रिचर्डसन ने पेशेवर क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया है। 34 साल के इस तेज गेंदबाज ने मंगलवार को इसका एलान किया। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई टीम का 25 वनडे और 36 टी20 में प्रतिनिधित्व किया। साथ ही वह 2021 में टी20 विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का भी हिस्सा रहे थे। घरेलू क्रिकेट में नॉर्दर्न टेरिटरी और साउथ ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करने वाले रिचर्डसन ने लिस्ट-ए डेब्यू 2008-09 सीजन में किया था, जबकि अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरूआत 2013 में श्रीलंका के खिलाफ वनडे मैच से हुई। रिचर्डसन बिग बैश लीग (इछछ) के लगातार सभी सीजन खेलने वाले कुछ चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल रहे। उन्होंने एडिलेड स्ट्राइकर्स के लिए छह सीजन खेले, उसके बाद 2017-18 में मेलबर्न रेनेगेड्स से जुड़े और आठ सीजन तक टीम का हिस्सा रहे। इसके बाद 2025-26 सीजन से पहले उन्होंने सिडनी सिक्सर्स के साथ एक साल का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया। वे अपने इछछ करियर को 142 विकेट के साथ प्रतियोगिता के पांचवें सबसे सफल गेंदबाज के रूप में समाप्त करते हैं। रिचर्डसन ने कई देशों में फ्रेंचाइजी क्रिकेट भी खेला, जिसमें इंडियन प्रीमियर लीग (क्छछ) भी शामिल है। संन्यास की घोषणा करते हुए रिचर्डसन ने कहा, '2009 में डेब्यू करने से लेकर अब तक, मुझे लगता है कि मैंने खुद से जितना निकाल सकता था, निकाल लिया है और यह एक बेहद खूबसूरत सफर को खत्म करने का सही समय है।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे अपने देश और दुनिया भर में कई फ्रेंचाइजी टीमों के लिए खेलने का मौका मिला। मैंने कभी इन मौकों को हल्के में नहीं लिया और मैं उम्मीद करता हूं कि लोग समझ पाए हों कि बचपन से डार्विन में मैंने एक क्रिकेटर बनने का सपना देखा था।'

लय बरकरार रखने उतरेगा भारत, सैमसन पर होगी नजर

विशाखापत्तनम। भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ लय बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी। भारत पहले ही सीरीज अपने नाम कर चुका है और

उसकी नजरें इस फॉर्म को कायम रखने की होगी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच बुधवार को पांच मैचों की टी20 सीरीज का चौथा मुकाबला खेला जाएगा। भारत पहले ही सीरीज अपने नाम कर चुका है, लेकिन सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन की फॉर्म उसके लिए लगातार चिंता का विषय बनी हुई है। अब तक खेल के हर विभाग में अपना दबदबा बनाने वाली भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी20 मैच में भी किसी तरह की ढिलाई नहीं बरतेगी। अभिषेक शर्मा, सूर्यकुमार यादव और ईशान किशन के शानदार प्रदर्शन से भारत ने पहले तीनों मैच जीत कर सीरीज अपने नाम कर ली है। लेकिन इस बीच उसके दो प्रमुख स्पिनर कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए। भारत इस सीरीज में विश्व कप से पहले गेंदबाजी विभाग में अपने चरम पर पहुंचने की कोशिश कर रहा है, लेकिन बल्लेबाजी में फिलहाल उसका कोई सानी नहीं दिख रहा है। सैमसन का बदलेगा बल्लेबाजी क्रम? इस सीरीज में भारत के लिए चिंता का विषय केवल संजू सैमसन का खराब फॉर्म रहा है। वह तीन मैचों में 5.33 की औसत से 16 रन ही बना पाए हैं जिससे टीम में उनके स्थान को लेकर सवाल उठने लग गए हैं। हालांकि तिलक वर्मा की चोटिल होने के कारण बाहर होने से टीम प्रबंधन संजू को खुद को साबित करने के लिए एक और मौका दे सकता है। टीम प्रबंधन संजू को तीसरे नंबर पर भी उतारने का विचार कर सकता है। अगर ऐसा होता है तो अभिषेक के साथ किशन पारी की शुरूआत करेंगे। सीरीज में वापसी करना चाहेगा न्यूजीलैंड वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले न्यूजीलैंड के लिए टी20 सीरीज में अभी तक कुछ भी अच्छा नहीं रहा। उसके बल्लेबाजों ने कभी-कभार अच्छी बल्लेबाजी की, लेकिन गेंदबाज भारतीय बल्लेबाजों के आक्रामक रवैये का जवाब देने में विफल रहे। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि जैकब डफी उसके सबसे किफायती गेंदबाज हैं जबकि उनका इकॉनमी रेट 10.30 है। उसके अन्य गेंदबाज मैट हेनरी (13.80), काइल जैमीसन (14.20), मिचेल सैंटनर (13.14) और ईश सोढ़ी (12.50) भारतीय बल्लेबाजों को परेशान करने में पूरी तरह से नाकाम रहे हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथा टी20 मैच कब खेला जाएगा? भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथा टी20 मैच 28 जनवरी यानी बुधवार को खेला जाएगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथा टी20 मैच कहां खेला जाएगा? भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथा टी20 मैच विशाखापत्तनम के एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथा टी20 मैच कितने बजे से खेला जाएगा? भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथा टी20 मैच शाम 7:00 बजे से शुरू होगा। टॉस इससे आधे घंटे पहले यानी शाम 6:30 बजे होगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथा टी20 मैच कहां देख पाएंगे? भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी20 सीरीज के प्रसारण अधिकार स्टार स्पोर्ट्स के पास है और दर्शक इसके मुकाबले स्टार स्पोर्ट्स के चैनलों पर देख सकेंगे। इसके अलावा मैच की लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार एप पर होगी।

अदाणी डिफेंस और एम्ब्रेयर की ऐतिहासिक साझेदारी, भारत में बनेगा विमान निर्माण केंद्र

नई दिल्ली। अदाणी डिफेंस और एम्ब्रेयर ने भारत में क्षेत्रीय विमान निर्माण इकाई स्थापित करने के लिए साझेदारी की है। जीत अदाणी के मुताबिक इससे आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा मिलेगा और विमानन उद्योग, निवेश व रोजगार को मजबूती मिलेगी। भारत के स्वदेशी विमान निर्माण को बड़ा बढ़ावा देने के लिए अदाणी ग्रुप और ब्राजील की प्रमुख विमान निमार्ता कंपनी एम्ब्रेयर ने रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस सहयोग के तहत भारत में क्षेत्रीय विमानों के लिए निर्माण सुविधा और फाइनल असेंबली लाइन (ऋछछ) स्थापित की जाएगी। दोनों कंपनियों के अधिकारियों ने मंगलवार को नई दिल्ली में नागरिक उड्डयन मंत्रालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय परिवहन विमानों को लेकर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के निदेशक जीत अदाणी ने कहा कि एम्ब्रेयर के साथ सहयोग से भारत में क्षेत्रीय विमान निर्माण सुविधा स्थापित की जाएगी। एम्ब्रेयर 150 सीटों तक क्षमता वाले वाणिज्यिक विमान बनाती है। हालांकि, प्रस्तावित निवेश और संयंत्र के स्थान से जुड़ी जानकारी फिलहाल सार्वजनिक नहीं की गई है। यह सहयोग केवल विमान असेंबली तक सीमित नहीं नागरिक उड्डयन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने कहा कि यह सहयोग केवल विमान असेंबली तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें तकनीक हस्तांतरण, कौशल विकास, मजबूत सप्लाई चेन और भारत को क्षेत्रीय विमानों का भरोसेमंद निर्माण केंद्र बनाने की योजना भी शामिल है।

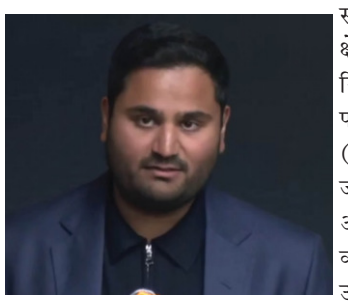

भारतीय बाजार बढ़त के साथ हुआ बंद; सेंसेक्स 320 अंक उछला, निफ्टी 25150 के पार

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 319.78 अंक उछलकर 81,857.48 अंक पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 126.75 अंक की बढ़त के साथ 25,175.40 पर बंद हुआ। शेयर बाजार मंगलवार को हरे निशान पर बंद हुआ। मंगलवार को अत्यधिक अस्थिर कारोबार के बीच इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी उच्च स्तर पर बंद हुए। बाजार बैंक और धातु शेयरों में भारी खरीदारी, वैश्विक बाजारों में मजबूत रुझान और भारत-ईयू एफटीए को लेकर आशावाद से प्रेरित थे। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 319.78 अंक या 0.39 प्रतिशत चढ़कर 81,857.48 पर बंद हुआ। दिन के दौरान इसने 82,084.92 का उच्च स्तर और 81,088.59 का निम्न स्तर छुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 126.75 अंक या 0.51 प्रतिशत बढ़कर 25,175.40 पर पहुंच गया। रुपया अपने सर्वकालिक निचले स्तर से 19 पैसे की मजबूती हासिल करते हुए अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 91.71 पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों का हाल सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से अदाणी पोर्ट्स, एक्सिस बैंक, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, अल्ट्राटेक सीमेंट और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स सबसे बड़े लाभ कमाने वालों में शामिल थीं। इसके विपरीत, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स, इटरनल और आईटीसी पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल थीं। एक्सिस बैंक के शेयरों में चार प्रतिशत का उछाल एक्सिस बैंक के शेयरों में 4 प्रतिशत से अधिक की उछाल आई, क्योंकि कंपनी ने दिसंबर तिमाही में अपने शुद्ध लाभ में 4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 6,742.99 करोड़ रुपये के मुकाबले 7,010.65 करोड़ रुपये रहा। भारत-यूरोप संघ के बीच हुआ मुक्त व्यापार समझौता भारत और यूरोप ने मंगलवार को एक महत्वाकांक्षी मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की, जिसे सभी समझौतों की जननी बताया जा रहा है।

सोना 1.60 लाख के करीब; चांदी ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, भाव 3.59 लाख प्रति किग्रा के शिखर पर

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों में मची उथल-पुथल और अनिश्चितता के बीच भारतीय सराफा बाजार में मंगलवार को ऐतिहासिक तेजी दर्ज की गई। निवेशकों द्वारा सुरक्षित निवेश की तलाश में सोने और चांदी की कीमतों ने अब तक के सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (टउ) पर चांदी का भाव 3.59 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के पार निकल गया, जबकि सोना 1.60 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के बेहद करीब पहुंच गया है। बाजार के जानकारों का कहना है कि यह तेजी भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिका में बदल रही आर्थिक नीतियों के डर का नतीजा है। एमसीएक्स पर तेजी से बढ़े भाव मंगलवार को वायदा कारोबार में चांदी में जबरदस्त उछाल देखने को मिला। मार्च डिलीवरी वाली चांदी 25,101 रुपये यानी 7.5 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,59,800 रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते ही चांदी ने पहली बार 3 लाख रुपये का आंकड़ा पार किया था और एक हफ्ते में इसमें 16.3% की तेजी आ चुकी थी। वहीं, सोने की चमक भी और बढ़ गई है। फरवरी कॉन्ट्रैक्ट वाला सोना 3,783 रुपये (2.42%) उछलकर 1,59,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए 'लाइफ-टाइम हाई' पर पहुंच गया। पिछले एक हफ्ते में सोने की कीमतों में 9.5% यानी करीब 13,520 रुपये की बढ़ोतरी हो चुकी है। तेजी की मुख्य वजहः 'सेफ-हेवन' की तलाश विश्लेषकों के अनुसार, इस अभूतपूर्व तेजी के पीछे वैश्विक कारण जिम्मेदार हैंः ट्रंप का 'टैरिफ वार' डरः मेहता इक्विटीज के वाइस प्रेसिडेंट (कमोडिटीज) राहुल कलंत्री बताते हैं कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दक्षिण कोरियाई आयात पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी और बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिमों ने बाजार के सेंटीमेंट को प्रभावित किया है। सॉवरेन बॉन्ड्स पर घटा भरोसाः कलंत्री के अनुसार, राजकोषीय अनुशासन और नीतिगत विश्वसनीयता को लेकर बढ़ती चिंताओं ने सॉवरेन बॉन्ड्स और करंसी (मुद्रा) पर निवेशकों का भरोसा कम किया है, जिससे वे सोने-चांदी की तरफ शिफ्ट हो रहे हैं। डीबेसमेंट ट्रेडः रिलायंस सिक्योरिटीज के जिगर त्रिवेदी का कहना है कि प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में भारी सरकारी खर्च को देखते हुए निवेशक बॉन्ड्स से पैसा निकालकर 'रियल एसेट्स' में लगा रहे हैं, जिसे 'डीबेसमेंट ट्रेड' कहा जा रहा है। ग्लोबल मार्केट में मुनाफावसूली, लेकिन रिकॉर्ड कायम जहां भारतीय बाजार में कीमतें चढ़ रही थीं, वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में मंगलवार को उच्च स्तरों पर मुनाफावसूली देखी गई। मार्च डिलीवरी वाली चांदी 6.27% गिरकर 108.26 डॉलर प्रति औंस पर आ गई, हालांकि इससे पहले इसने 117.26 डॉलर प्रति औंस का रिकॉर्ड बनाया था,। इसी तरह, सोना भी 5,107.9 डॉलर का रिकॉर्ड छूने के बाद मामूली गिरावट के साथ 5,096.05 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। सोने ने शुक्रवार को पहली बार 5,000 डॉलर का मनोवैज्ञानिक स्तर पार किया था। अब बजट और फेड पर नजर घरेलू बाजार में सोमवार को गणतंत्र दिवस की छुट्टी के बाद मंगलवार को यह एक्शन देखने को मिला। अब ट्रेडर्स की नजर दो बड़ी घटनाओं पर हैः यूएस फेड पॉलिसीः अमेरिकी फेडरल रिजर्व की आगामी बैठक और ट्रंप द्वारा नए फेड चेयरमैन की नियुक्ति की अटकलें बाजार की दिशा तय करेंगी। केंद्रीय बजट 2026ः कमोडिटी विशेषज्ञों के मुताबिक, 1 फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए जाने वाले बजट पर भी बाजार की नजर है। इम्पोर्ट ड्यूटी में किसी भी बदलाव का सीधा असर सोने-चांदी की कीमतों पर पड़ेगा। फिलहाल बाजार में डर और अनिश्चितता का माहौल है, जो कीमती धातुओं के लिए 'रॉकेट फ्यूल' का काम कर रहा है। जब तक वैश्विक नीतियां स्थिर नहीं होतीं, बुलियन बाजार में यह उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना है।

'ग्राहकों को न हो कोई परेशानी, बैंकिंग सेवा...'; यूनियन की हड़ताल को लेकर बैंकों को मिला निर्देश

नई दिल्ली। मंगलवार यानी आज बैंकों में हड़ताल रहेगी, तमाम शाखाओं में कामकाज पर थोड़ा असर जरूर पड़ सकता है। लेकिन एटीएम और डिजिटल सेवाएं सामान्य रूप से चलती रहेंगी। वहीं सरकार और बैंक दोनों मिलकर कोशिश कर रहे हैं कि आम जनता को कम से कम परेशानी हो। बैंक यूनियनों की तरफ से मंगलवार को पूरे दिन की हड़ताल के एलान के बाद सरकार और बैंकों ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी को लेकर सोमवार एक जरूरी बैठक हुई। इस बैठक में बैंकों को निर्देश दिए गए कि हड़ताल के बावजूद ग्राहकों को किसी तरह की परेशानी न हो और बैंकिंग सेवाएं सुचारु रूप से चलती रहें। यह बैठक वित्तीय सेवा विभाग के सचिव की अध्यक्षता में हुई। इसमें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के चेयरमैन, सभी राष्ट्रीयकृत बैंकों के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ और इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) के प्रमुख शामिल हुए। 'ग्राहक सेवाएं बिना रुकावट चलती रहें' इस बैठक में बैंकों को खास तौर पर इन बातों पर ध्यान देने को कहा गया, जिसमें ग्राहक सेवाएं बिना रुकावट चलती रहें, डिजिटल बैंकिंग जैसे इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, कार्ड पेमेंट आदि सही तरीके से काम करते रहें, क्लियरिंग और सेटलमेंट सिस्टम (चेक, ट्रांजैक्शन आदि) प्रभावित न हों, सरकारी कामकाज से जुड़ी बैंकिंग सेवाएं जारी रहें, बिजनेस कॉरेस्पॉन्डेंट (ग्रामीण और दूरदराज इलाकों में सेवा देने वाले बैंक प्रतिनिधि) के जरिए सेवाएं चलती रहें। हड़ताल से थोड़ा कामकाज हो सकता है प्रभावित सूत्रों के मुताबिक बैंकों ने भरोसा दिलाया है कि एटीएम में पर्याप्त कैश भरा गया है, जरूरत पड़ने पर समय पर कैश दोबारा डाला जाएगा, नकदी की कोई बड़ी समस्या नहीं होगी। हालांकि यह माना गया है कि हड़ताल की वजह से बैंक शाखाओं में कामकाज थोड़ा प्रभावित हो सकता है, क्योंकि कई कर्मचारी और अधिकारी हड़ताल पर रहेंगे। लेकिन बैंकों ने यह आश्वासन दिया है कि इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, डिजिटल पेमेंट सिस्टम और यूपीआई, कार्ड, और अन्य ऑनलाइन सेवाएं पूरी तरह चालू रहेंगी, ताकि आम लोगों को ज्यादा दिक्कत न हो। क्या हैं बैंक यूनियनों की मांगे? यह हड़ताल यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स (यूएफबीयू) ने बुलाई है। यह नौ बैंक यूनियनों और संगठनों का समूह है। इनकी मुख्य मांग है बैंकों में पांच दिन का कार्य सप्ताह लागू किया जाए, यानी शनिवार और रविवार दोनों को छुट्टी मिले। ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कन्फेडरेशन के अनुसार, 22 और 23 जनवरी को वित्तीय सेवा विभाग के साथ बातचीत हुई थी, लेकिन उसमें कोई पक्की समय-सीमा तय नहीं हुई। इसलिए यूनियनों ने कहा है कि 'हड़ताल का फैसला कायम है।'

75 वर्ष की उम्र में वरिष्ठ पत्रकार एएम खान का हुआ निधन

लखनऊ (संवाददाता)। वरिष्ठ पत्रकार और प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया (पीटीआई) के उत्तर प्रदेश ब्यूरो के पूर्व पत्रकार एएम खान (75) का सोमवार को लखनऊ स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। परिजनों ने यह जानकारी दी। खान के परिवार में दो बेटियां और एक बेटा हैं। पीटीआई के उत्तर प्रदेश ब्यूरो में सेवा देने के बाद वह 2010 में सेवानिवृत्त हुए थे। सेवानिवृत्ति के बाद, उन्होंने अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार के रूप में भी कुछ समय तक काम किया। परिवार के एक सदस्य ने बताया कि खान का निधन सुबह करीब 11 बजे गोमती नगर के विपुल खंड स्थित उनके घर पर हुआ। उनकी बेटी अलहमरा खान ने यह जानकारी दी। उन्होंने आगे बताया कि उनका अंतिम संस्कार आज बाद में यहीं किया जाएगा। उत्तर प्रदेश राज्य मुख्यालय मान्यता प्राप्त मीडिया एसोसिएशन के अध्यक्ष हेमंत तिवारी समेत कई अन्य पत्रकार खान के घर शोक व्यक्त करने पहुंचे।

बर्फवारी के बीच प्रीति जिंटा ने बच्चों के साथ बनाई 'स्नो-गर्ल'

कहा- 'मुझे शिमला में अपना बचपन याद आ गया'

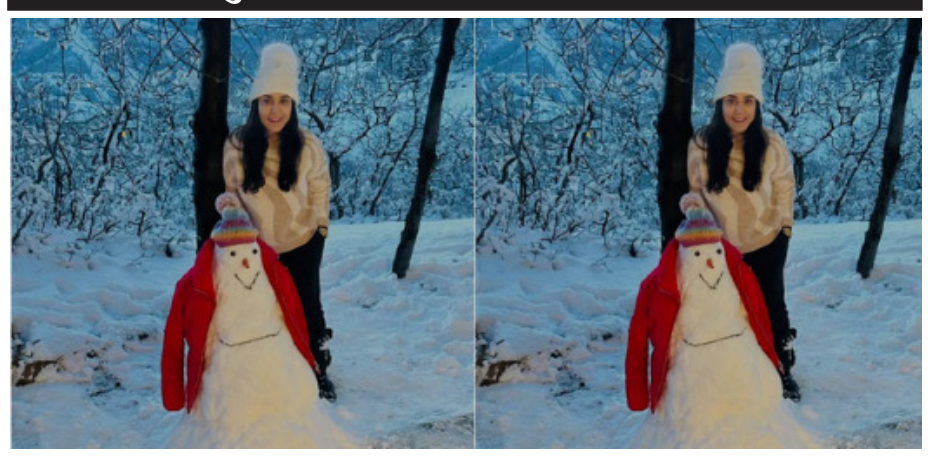

सर्दियों के इस मौसम में पहाड़ों पर बर्फबारी हो रही है। इस बीच अभिनेत्री प्रीति जिंटा को भी शिमला में बिताए अपने बचपन के दिन याद आए हैं। बर्फबारी और कड़ाके की सर्दी में जहां कई चुनौतियां बढ़ जाती हैं, वहीं लोग इसे एंजॉय भी करते हैं। खासकर, बच्चे 'स्नोमैन' बनाकर बड़े खुश होते हैं। प्रीति जिंटा भी बर्फबारी के बीच अपने बच्चों के साथ एंजॉय कर रही हैं। हालांकि, उन्होंने 'स्नोमैन' नहीं, बल्कि 'स्नो-गर्ल' बनाई है। इसी के साथ वे अपनी पुरानी यादें ताजा करती दिखी हैं, जब वे शिमला में रहा करती थीं। बोलीं- 'समय कैसे उड़ जाता है'? प्रीति जिंटा ने आज मंगलवार को इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें वे बर्फबारी के बीच पोज देती दिख रही हैं। साथ ही वह 'स्नो-गर्ल' भी है, जो एक्ट्रेस ने अपने बच्चों के साथ मिलकर बनाई है। प्रीति जिंटा ने कैप्शन लिखा है, 'मैंने पहले भी कई बार स्नोमैन बनाया है, लेकिन इस बार बच्चों की वजह से हमने स्नो गर्ल बनाई है, जिसके पास स्नो स्कर्ट है। मुझे वह समय याद आता है, जब मैं शिमला में एक छोटी बच्ची थी। चारों ओर बर्फ से घिरी हुई। मानो समय कैसे उड़ जाता है और कैसे जिंदगी पूरी तरह से बदल गई है। पति के साथ विदेश में बस गईं प्रीति जिंटा कई शानदार बॉलीवुड फिल्मों में काम कर चुकीं प्रीति जिंटा, 29 फरवरी 2016 को अमेरिकी नागरिक जीन गुडइनफ से शादी करने के बाद अमेरिका के लॉस एंजेलिस में बस गईं। वे अपने पति के साथ लॉस एंजेलिस में रहती हैं। हालांकि, वे काम के सिलसिले में भारत आती रहती हैं। प्रीति और जीन गुडइनफ ने साल 2021 में सरोगेसी के जरिए जुड़वा बच्चों का स्वागत किया था। प्रीति जिंटा का वर्क फ्रंट प्रीति जिंटा के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे फिल्म 'लाहौर 1947' में नजर आएंगी। राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में वे सनी देओल के अपोजिट दिखाई देंगी।

करण जौहर ने कर दिया बड़ा ऐलान, हफ्तेभर के लिए त्यागी सबसे पसंदीदा चीज

बॉलीवुड के प्रसिद्ध फिल्ममेकर और प्रोड्यूसर करण जौहर ने हाल ही में बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने बताया कि वे हफ्तेभर के लिए शोसल मीडिया करेंगे। इस दौरान वे किसी भी तरह की ऑनलाइन गतिविधि नहीं करेंगे। इसका मतलब

है कि वे ना कोई पोस्ट करेंगे, ना स्टोरी डालेंगे और ना ही किसी के क्डे का जवाब देंगे। करण ने इंस्टाग्राम पर अपने शोसल मीडिया की जानकारी देते हुए यूनिवर्स से मदद की गुहार लगाई। उन्होंने लिखा, यूनिवर्स मुझे शक्ति दें। इसका उद्देश्य है कि वे इस ब्रेक के दौरान अपने फोन और सोशल मीडिया से दूर रह सकें। शोसल मीडिया का मतलब है कुछ समय के लिए सोशल मीडिया और फोन से दूर रहकर मन और मस्तिष्क को शांति देना। करण जौहर का यह कदम इस बात को दशार्ता है कि सोशल मीडिया की आदत कितनी मजबूत हो सकती है और ब्रेक लेने से नई ऊर्जा मिलती है। करण जौहर इन दिनों बॉलीवुड की सफलता से खुश हैं। उन्होंने हाल की फिल्मों धुरंधर और बॉर्डर 2 की तारीफ की और कहा कि सिनेमाघरों में दर्शक वापस आ रहे हैं। उनका यह सोशल मीडिया ब्रेक शायद उन्हें नई ऊर्जा देगा और आने वाले नए प्रोजेक्ट्स के लिए तैयार करेगा।

विजय सेतुपति की गांधी टॉक्स का ट्रेलर रिलीज

बिना बोले दमदार कहानी दिखाती है फिल्म

अपने दमदार अभिनय के लिए मशहूर विजय सेतुपति अब साइलेंट फिल्म लेकर आ रहे हैं। जानिए कैसा है फिल्म का ट्रेलर विजय सेतुपति की आगामी साइलेंट फिल्म गांधी टॉक्स का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। साइलेंट फिल्म होने के नाते ट्रेलर में एक भी डायलॉग नहीं है। लेकिन हां, एआर रहमान का संगीत ट्रेलर को रोमांचक बनाता है। ट्रेलर आपको चार्ली चैपलिन की फिल्मों के दौर की भी याद दिलाएगा। ट्रेलर से पता चलता है कि कहानी के केंद्र में विजय सेतुपति हैं। ट्रेलर फिल्म को लेकर लोगों का उत्साह बढ़ाता है। यह फिल्म बेरोजगार विजय सेतुपति की कहानी है, जिसे अपने घर के सामने रहने वाली पड़ोसी अदिति राव से प्यार हो जाता है। दूसरी कहानी करोड़पति अरविंद स्वामी की है, जो अपनी सारी दौलत खो देता है और एक विकट परिस्थिति में फंस जाता है। एआर रहमान के दमदार संगीत और सेतुपति, स्वामी और अदिति के शानदार अभिनय के साथ, ट्रेलर ने दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित करते हुए जबरदस्त प्रभाव डाला है। फिल्म एक संदेश देने की ओर भी इशारा करती है, जो दशार्ती है कि फिल्म में एक सोशल कमेंट या सटायर देखने को मिल सकता है। 30 जनवरी को रिलीज होगी फिल्म किशोर पांडुरंग 'बेलेकर' द्वारा निर्देशित और लिखित गांधी वार्ता में विजय सेतुपति के अलावा अरविंद स्वामी, अदिति राव हैदरी, सिद्धार्थ जाधव और महेश मांजरेकर भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। फिल्म में एआर रहमान का संगीत है, जो इस मूक फिल्म को और भी रोमांचक बनाता है। दर्शक फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। गांधी टॉक्स 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रानी ने मुझे आत्मविश्वास दिया, मदार्नी 3 पर रणबीर कपूर का इमोशनल ट्रिब्यूट

रणबीर कपूर को यह देखकर बेहद खुशी हो रही है कि भारतीय फिल्म उद्योग पूरी तरह एकजुट होकर उनकी पसंदीदा अभिनेत्री रानी मुखर्जी के सिनेमा में 30 वर्षों के शानदार सफर का जश्न मदार्नी 3 के साथ मना रहा है। रानी, रणबीर कपूर की डेब्यू फिल्म सांवरिया में उनकी को-स्टार थीं और उनके करियर के शुरूआती दिनों में, जब उन्हें सबसे ज्यादा सहारे की जरूरत थी, रानी उनके साथ खड़ी थीं। यही वजह है कि रणबीर हर फिल्म, हर परफॉर्मेंस में रानी की जीत के लिए दिल से दुआ करते हैं। रणबीर कहते हैं,रानी मेरी पहली फिल्म सांवरिया की को-स्टार थीं और वही पहली शख्स थीं जिन्होंने मुझसे कहा था कि अगर मैं मेहनत करूंगा, तो बहुत आगे जाऊंगा। उस बातचीत को मैं कभी नहीं भूल सकता क्योंकि उस वक्त, जब मुझे इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी, उसने मुझे जबरदस्त आत्मविश्वास दिया। मैंने उन्हें एक इंसान के तौर पर बहुत करीब से देखा है, उनके काम को बहुत नजदीक से देखा है और उनकी गरिमा, आकर्षण और प्रतिभा से हमेशा अभिभूत रहा हूं। वह आगे कहते हैं,उनकी 30 साल की आइकॉनिक विरासत का जश्न मनाने के लिए पूरे उद्योग का आगे आना वाकई अद्भुत है। मैंने हमेशा महसूस किया है कि रानी सदियों तक याद की जाने वाली कलाकार हैं कृ भारत की अब तक की सबसे महान अभिनेत्रियों में से एक। उन्होंने अपने काम के जरिए हमारी इंडस्ट्री को परिभाषित किया है। उनके प्रोजेक्ट्स और किरदारों के चुनाव ने आज स्क्रीन पर महिलाओं को दिखाने का नजरिया ही बदल दिया है।रणबीर यह भी बताते हैं कि रानी अपने सिनेमा के जरिए सिर्फ खुशी फैलाना चाहती हैं। वह कहते हैं,धन्यवाद रानी कृ फिल्मों के लिए, यादों के लिए, उस नॉस्टैल्जिया के लिए और उन दमदार परफॉर्मेंस के लिए। वह एक ऐसी एंटरटेनर हैं जिन्होंने अपनी पूरी जिंदगी लोगों को खुश करने के लिए समर्पित कर दी है। मेरे लिए यह शब्दों में बताना मुश्किल है कि उनकी फिल्मों का मुझ पर कितना गहरा असर रहा है।रानी मुखर्जी की मदार्नी 3 ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है और यह फिल्म इस समय सबसे ज्यादा चर्चा में बनी हुई है। महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर केंद्रित मदार्नी फ्रेंचाइजी, अपने हर हिस्से में एक सख्त और जरूरी सामाजिक मुद्दा उठाती रही है। इस बार मदार्नी 3 देशभर में कम आय वर्ग से आने वाली 8द्द9 साल की मासूम बच्चियों के अपहरण के गंभीर मुद्दे को उजागर करेगी, जिसके पीछे एक बेहद डरावनी सच्चाई छिपी है।

हाई-एनर्जी बीट्स के साथ रिलीज हुआ ओ रोमियो का दूसरा गाना आशिकों की कॉलोनी

साजिद नाडियाडवाला की बहुप्रतीक्षित फिल्म ओरोमियो अपने ट्रेलर को लेकर पहले ही जबरदस्त चर्चा में है और अब फिल्म का दूसरा गाना आशिकों की कॉलोनी रिलीज होकर इस एक्साइटमेंट को और भी ऊँचाई पर ले जाता नजर आ रहा है। यह गाना एक हाई-एनर्जी डांस नंबर है, जो सुनते ही दर्शकों को थिरकने पर मजबूर कर देता है। 90 के दशक की विजुअल फील और

आज के मॉडर्न बीट्स का खूबसूरत मेल इस गाने को खास बनाता है। आशिकों की कॉलोनी में नॉस्टैल्जिया और समकालीन संगीत का ऐसा संतुलन देखने को मिलता है, जो इसे बाकी गानों से अलग पहचान देता है। गाने की धुन जहां पुराने बॉलीवुड डांस नंबर्स की याद दिलाती है, वहीं इसकी बीट्स और अरेंजमेंट पूरी तरह से आज के युवाओं के टेस्ट के हिसाब से तैयार किए गए हैं। इसका कैची हुक लाइन गाने को बार-बार सुनने लायक बनाती है। इस गाने की सबसे बड़ी खासियत है इसकी दमदार क्रिएटिव टीम। संगीतकार विशाल भारद्वाज, गीतकार गुलजार और गायक मधुबंती बागची व जावेद अली की यह जुगलबंदी एक बार फिर जादू बिखेरती नजर आती है। गुलजार के शब्दों में सादगी और शरारत दोनों झलकती है, वहीं विशाल भारद्वाज का म्यूजिक क्लासिक टच के साथ फ्रेश फील देता है। गाने को टी-सीरीज ने प्रस्तुत किया है। ऑन-स्क्रीन बात करें तो शाहिद कपूर और दिशा पाटनी की यह पहली जोड़ी दर्शकों के लिए एक नया और रोमांचक अनुभव लेकर आई है। दोनों की केमिस्ट्री फ्रेश, एनर्जेटिक और बेहद नैचुरल लगती है। रंगीन और उत्सव जैसे माहौल में फिल्माया गया यह गाना विजुअली भी काफी आकर्षक है। शाहिद कपूर अपने रग्ड और स्टाइलिश लुक में नजर आते हैं और एक खास माइकल जैक्सन इंस्पायर्ड मूव से गाने में सरप्राइज एलिमेंट जोड़ते हैं। वहीं दिशा पाटनी अपने कॉन्फिडेंट अंदाज, ग्रेस और फ्लूइड डांस मूव्स से स्क्रीन पर चार चांद लगा देती हैं।

भारतीय दिल से जुड़ा यह गाना, थ्रोबैक फ्लेवर और मॉडर्न टच के साथ, क्लासिक बॉलीवुड डांस नंबर्स की याद दिलाता है। मस्ती, जोश और

2002 में फिल्म सोच से बॉलीवुड में कदम रखने वाली अदिति गोवित्रिकर ने अपने करियर और निजी जीवन से जुड़ी कई मुश्किलों का हाल ही में खुलासा किया। अदिति ने 2001 में मिसेज वर्ल्ड का खिताब जीता था और इसके बाद उन्हें 16 दिसंबर, पहेली, दे दना दन जैसी फिल्मों के अलावा बिग बॉस 3 और खतरों के खिलाड़ी जैसे शोज में भी देखा गया। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अदिति ने बताया कि उन्हें इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उनका कहना

है कि उसी समय लारा दत्ता और प्रियंका चोपड़ा जैसे प्रतियोगियों को ज्यादा मौके और शोहरत मिली, जबकि उन्हें वही सफलता नहीं मिली। अदिति ने अपने जीवन के कुछ दर्दनाक अनुभव भी साझा किए। उन्होंने बताया कि वे मुश्किल से छह-सात साल की थीं, जब उनके पिता के एक दोस्त ने उनके साथ घटिया हरकत की थी। इसके बाद उन्हें सुरक्षा को लेकर हमेशा सतर्क रहना पड़ता था, खासकर जब वे मुंबई में पढ़ाई करने लगीं। उन्होंने बताया कि 12वीं में अग्रवाल क्लासेस के लिए दादर आती थीं, और लोकल ट्रेनें उनके लिए सुरक्षित विकल्प नहीं थीं, इसलिए बस का इस्तेमाल करती थीं। अदिति ने कहा कि कम उम्र में ऐसे माहौल में बचाव के लिए खुद को तैयार करना पड़ता है। अदिति ने बताया कि उन्होंने हमेशा अपने साथ बड़े बैग रखे, जिनमें हार्डबोर्ड की किताबें डालकर उन्हें ढाल की तरह इस्तेमाल किया। अगर उन्हें सीट मिल जाती थी तो दोनों तरफ बैग रखकर अपने आप को सुरक्षित करती थीं। उनका कहना है कि इन अनुभवों ने उन्हें जीवनभर सावधान और मजबूत बनाया। अदिति ने कहा कि ये घटनाएं उनके लिए हमेशा ट्रॉमा रही हैं। उनका अनुभव बताता है कि छोटी उम्र में अपमान और सुरक्षा की कमी का एहसास कितना गहरा होता है। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं ने उन्हें बचपन में ही आत्मरक्षा के तरीके सीखने पर मजबूर किया।

कंबोडियाई महिला से सैटेलाइट फोन बरामद,पति के साथ लखनऊ से दिल्ली जा रही थी

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ एयरपोर्ट पर सुरक्षा एजेंसियों ने एक कंबोडियाई महिला यात्री के पास से प्रतिबंधित सैटेलाइट फोन बरामद किया है। महिला लखनऊ से दिल्ली जाने वाली फ्लाइट से यात्रा करने वाली थी। सुरक्षा जांच के दौरान संदिग्ध डिवाइस मिलने पर सीआईएसएफ ने तत्काल उसे रोक लिया और मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी। इसके बाद महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई। घटना सोमवार देर रात की है। जानकारी के अनुसार, कंबोडिया की रहने वाली महिला यात्री रोथा क्रूथ रात करीब 8 बजे अपने पति के साथ एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट संख्या आईएक्स-1618 से लखनऊ से दिल्ली जाने वाली थीं। नियमित सुरक्षा जांच के दौरान सीआईएसएफ कर्मियों को महिला के होल्ड बैगेज से एक मोटोरोला सैटेलाइट फोन मिला। जांच में स्पष्ट हुआ कि यह फोन भारत में प्रतिबंधित श्रेणी में आता है। एसीपी कृष्णा नगर ने बताया बरामद सैटेलाइट फोन हवाई यात्रा के दौरान ले जाना प्रतिबंधित है। यह फोन महिला यात्री के पास कहां से आया, क्या वह इसे कंबोडिया से अपने साथ लाई थी या भारत में कहीं से प्राप्त किया। इन सभी बिंदुओं पर महिला और उसके पति से पूछताछ की जा रही है। पूछताछ में सामने आया है कि महिला यात्री अपने पति के साथ कंबोडिया से उत्तर प्रदेश के बौद्ध तीर्थ स्थलों के भ्रमण पर आई थी। यात्रा के दौरान सैटेलाइट फोन साथ रखने के उद्देश्य और उसके संभावित उपयोग को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्कता से जांच कर रही हैं। प्रतिबंधित उपकरण मिलने की सूचना के बाद पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां भी मौके पर पहुंच गईं।

फिलीपींस ने फेरी डूबने के बाद कंपनी के यात्री जहाजों को रोक

18 लोगों की गई थी जान

फिलीपींस (एजेंसी)। फिलीपींस के अधिकारियों ने मंगलवार को उस कंपनी के सभी यात्री जहाजों को रोक दिया, जिसके स्वामित्व वाली एक नौका दक्षिण में डूब गई थी। इस घटना में कम से कम 18 लोग मारे गए थे। वहीं, 300 से अधिक लोगों को बचा लिया गया था। दरअसल बासिलन प्रांत के एक द्वीप के पास सोमवार तड़के डूबे एम/वी ट्रिशा कर्स्टन 3 जहाज के दस लोग, जिनमें ज्यादातर चालक दल के सदस्य और कप्तान शामिल हैं, अभी भी लापता हैं। तटरक्षक बल के एडमिरल रॉनी गावन ने बताया कि तटरक्षक बल और नौसेना के नेतृत्व में उन जलक्षेत्रों में तलाशी अभियान जारी है, जहां तेल की परत देखी गई है। नौका में 317 यात्री और 27 चालक दल के सदस्य सवार थे उन्होंने कहा कि खोज अभियान के तहत तटरक्षक गोताखोरों और एक रिमोट से संचालित मानवरहित वाहन को मलबे का पता लगाने और उसकी जांच करने के लिए तैनात किया जाएगा, जिसका अनुमान समुद्र की सतह से 76 मीटर (249 फीट) नीचे है। स्टील के पतवार वाली तीन डेक वाली मालवाहक और यात्री नौका, जाम्बोआंगा के दक्षिणी बंदरगाह शहर से जोलो द्वीप की ओर जा रही थी। उसी दौरान बसिलन प्रांत के बालुक-बालुक द्वीप गांव के पास डूब गई। इस नौका में 317 यात्री और 27 चालक दल के सदस्य सवार थे। 316 लोगों को बचाया गया परिवहन सचिव जियोवानी लोपेज ने कहा कि तटरक्षक बल ने शुरू में बताया था कि जहाज में 332 यात्री सवार थे, लेकिन बाद में कहा कि उनमें से 15 ने अंतिम समय में जहाज पर न चढ़ने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि कम से कम 316 लोगों को बचाया गया और एक शिशु सहित 18 शव बरामद किए गए हैं। लोपेज ने कहा कि फेरी संचालक कंपनी एलेसन शिपिंग लाइन्स, इंक. के सभी यात्री जहाजों को अनिश्चितकाल के लिए रोके जाने से उनकी समुद्री यात्रा के लिए उपयुक्तता का निरीक्षण किया जा सकेगा। अन्य कंपनियों को अपनी फेरी सेवा शुरू करने की अनुमति दी जाएगी। इसके साथ ही तटरक्षक बल मुफ्त यात्रा की सुविधा प्रदान कर सकता है ताकि उस क्षेत्र में परिवहन में कोई बड़ी बाधा न आए जहां फेरी यात्रा का मुख्य साधन है। लोपेज ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि ऐसा दोबारा कभी न हो। उन्होंने आगे कहा कि 2019 से एलेसन की नौकाओं से संबंधित 32 सुरक्षा संबंधी घटनाएं हुई हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि कितने यात्री जहाजों को रोका जाएगा। कंपनी ने सरकारी आदेश पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। बचाए गए यात्रियों में से एक मोहम्मद खान, जिन्होंने अपने छह महीने के बच्चे को खो दिया, ने बताया कि नौका अचानक एक तरफ झुक गई, जिससे वह, उनकी पत्नी और अन्य लोग अंधेरे में समुद्र में गिर पड़े। खान और उनकी पत्नी को बचा लिया गया, लेकिन उनका बच्चा डूब गया।

नाइजीरिया में राष्ट्रपति टीनुबू की सरकार के खिलाफ साजिश का पदार्फाश, अब मुकदमा चलाएगी सेना

अबूजा (एजेंसी)। नाइजीरियाई सेना ने माना है कि कुछ अधिकारियों ने राष्ट्रपति बोला टीनुबू की सरकार गिराने की साजिश रची थी। जांच पूरी होने के बाद अब इन अधिकारियों पर सैन्य अदालत में मुकदमा चलेगा। मामले में अक्टूबर के महीने में 16 अधिकारियों को पकड़ा गया था। नाइजीरिया के रक्षा मुख्यालय ने सोमवार को एक बड़ी जानकारी दी। एक जांच रिपोर्ट के आधार पर सेना ने बताया कि सैन्य अधिकारियों के एक समूह पर तख्तापलट की साजिश रचने का आरोप है। अब इन अधिकारियों पर मुकदमा चलाया जाएगा। 16 अधिकारियों की हुई थी गिरफ्तारी इस मामले में अक्टूबर महीने में कम से कम 16 अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया था। उस समय सेना ने इसे अनुशासनहीनता और नियमों का उल्लंघन बताया था। इन गिरफ्तारियों और तख्तापलट की अफवाहों से इलाके में तनाव काफी बढ़ गया था। यह क्षेत्र पहले भी कई बार तख्तापलट का सामना कर चुका है। राष्ट्रपति के

खिलाफ थी साजिश नाइजीरियाई सेना के प्रवक्ता समाइला उबा ने सोमवार को बताया कि अधिकारियों के आचरण की जांच पूरी हो गई है। जांच में खुलासा हुआ कि राष्ट्रपति बोला टीनुबू की सरकार के खिलाफ तख्तापलट की साजिश रची गई थी। उबा ने कहा, जांच में कई अधिकारियों की पहचान हुई है। उन पर सरकार गिराने की योजना बनाने का आरोप है। यह काम सेना के मूल्यों और पेशेवर मानकों के बिल्कुल खिलाफ है। प्रवक्ता ने बताया कि दोषी अधिकारियों को सैन्य अदालत (पैनल) के सामने पेश किया जाएगा। वहां उन पर सेना के नियमों के तहत मुकदमा चलेगा। नामों का खुलासा नहीं अभी यह साफ नहीं है कि गिरफ्तार किए गए 16 अधिकारियों में से कितनों पर मुकदमा चलेगा। अधिकारियों ने उनके नाम भी नहीं बताए हैं। प्रवक्ता ने कहा कि सेना में अनुशासन बनाए रखने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। अफ्रीका में तख्तापलट की घटनाएं बढ़ी यह खबर ऐसे समय आई है जब पश्चिम और मध्य अफ्रीका में तख्तापलट की घटनाएं बढ़ी हैं। पिछले साल के अंत में बेनिन और गिनी-बिसाऊ में भी ऐसी घटनाएं हुई थीं।

यूरोपीयन परिषद के अध्यक्ष ने साझेदारी को निजी तौर पर बताया खास

बोले- गोवा की जड़ों पर गर्व

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच लंबे समय से चल रही मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की बातचीत मंगलवार को औपचारिक रूप से पूरी हो गई। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला फॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा मौजूद रहे। बातचीत पूरी होने के बाद संयुक्त प्रेस वार्ता में यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने इस व्यापार समझौते पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह समझौता उनके लिए निजी तौर पर भी बेहद खास है, क्योंकि वे ओवरसीज इंडियन कार्ड धारक हैं और उनके पिता का परिवार गोवा से है। कोस्टा ने प्रेस वार्ता में कहा कि मैं यूरोपीय परिषद का अध्यक्ष हूं, लेकिन साथ ही एक ओवरसीज इंडियन भी हूं। मुझे अपनी गोवा की जड़ों पर गर्व है। भारत और यूरोप के बीच रिश्ता मेरे लिए व्यक्तिगत मायने रखता है। भारत और यूरोपीय संघ का साथ आना दुनिया के लिए मजबूत संदेश कोस्टा ने आगे कहा कि आज के दौर में जब वैश्विक व्यवस्था तेजी से बदल रही है, भारत और यूरोपीय संघ का एक साथ खड़ा होना दुनिया को मजबूत संदेश देता है। उन्होंने आगे इस बात पर भी जोर दिया कि भारत और यूरोपीय संघ दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक ताकतें हैं और यह साझेदारी शांति, स्थिरता, आर्थिक विकास और सतत विकास को मजबूत करेगी। एफटीए का एतिहासिक महत्व-

कोस्टा इसके साथ ही एंटोनियो कोस्टा ने अंत में व्यापार को वैश्विक स्थिरता का अहम आधार बताते हुए कहा कि व्यापार समझौते नियम-आधारित आर्थिक व्यवस्था को मजबूत करते हैं और साझा समृद्धि लाते हैं। उन्होंने कहा कि यह एफटीए ऐतिहासिक महत्व का है। भारत-ईयू समझौते पर क्या बोले पीएम मोदी इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समझौते को सिर्फ एक व्यापार समझौता नहीं, बल्कि साझा समृद्धि का खाका बताया। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में भारत और यूरोपीय संघ के संबंध तेजी से मजबूत हुए हैं, जो साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, आर्थिक सहयोग और लोगों के आपसी संपर्क पर आधारित हैं। पीएम मोदी ने बताया कि भारत-ईयू व्यापार अब 180 अरब यूरो तक पहुंच चुका है। पीएम मोदी ने आगे इस बात पर भी जोर दिया कि यह समझौता अब तक भारत द्वारा किया गया सबसे बड़ा मुक्त व्यापार समझौता है, जिससे किसानों, छोटे उद्यमियों और सेवा क्षेत्र से जुड़े लोगों को नए अवसर मिलेंगे। भारत और यूरोपीय संघ के बीच कई अहम समझौते पर हस्ताक्षर गौरतलब है कि इस अवसर पर भारत और यूरोपीय संघ के बीच कई अहम समझौते और समझौता ज्ञापन (टङ्कव) पर हस्ताक्षर किए गए, जो दोनों पक्षों के बीच सहयोग को नई दिशा देंगे। इनमें टुवड्र्स 2030: भारत-ईयू व्यापक रणनीतिक एजेंडा नाम का संयुक्त रणनीति दस्तावेज प्रमुख है, जो आने वाले वर्षों में दोनों के संबंधों का रोडमैप तय करेगा। इसके साथ ही भारत और यूरोपीय संघ के बीच सुरक्षा और रक्षा साझेदारी से जुड़े दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा सहयोग को मजबूती मिलेगी। इस दौरान दोनों पक्षों ने लोगों की आवाजाही और आपसी संपर्क को आसान बनाने के लिए मोबिलिटी सहयोग के व्यापक ढांचे पर भी सहमति जताई। आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से आपदा जोखिम प्रबंधन से जुड़े समझौते किए गए। वहीं, स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए ग्रीन हाइड्रोजन टास्क फोर्स के गठन पर भी सहमति बनी।

मलाड में गैस सिलेंडर फटने से 7 लोग घायल, लीकेज की वजह से हुआ हादसा

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के मलाड इलाके में मंगलवार सुबह एक बड़ा हादसा हुआ। यहां एक चॉल में गैस सिलेंडर फटने से 7 लोग घायल हो गए। घायलों को तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। मुंबई के मलाड इलाके में एक बड़ा हादसा हुआ है। मंगलवार की सुबह एक चॉल में गैस सिलेंडर फट गया। इस धमाके में 7 लोग घायल हो गए। इनमें एक 2 साल का बच्चा भी शामिल है। वहीं, दो महिलाओं की हालत काफी नाजुक बनी हुई है। धमाका इतना जोरदार था कि पूरे इलाके में अफरातफरी मच गई। लोगों ने तुरंत घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पीटीआई के अनुसार, यह हादसा सुबह

करीब 9 बजकर 25 मिनट पर हुआ। यह हादसा मलाड वेस्ट के मालवणी इलाके में हुआ। यहां भारत माता स्कूल के पास एक चॉल है। इसी चॉल में सिलेंडर फटा था। धमाका इतना तेज था कि इसके बाद घर में आग लग गई। घटना में घर का सारा सामान जलकर राख हो गया। गैस लीक की वजह से हुआ धमाका अधिकारियों ने बताया कि सिलेंडर से गैस लीक हो रही थी। इसी वजह से यह जोरदार धमाका हुआ। इस ब्लास्ट में 7 लोगों के घायल हो गए। इनमें से रोमा (35 साल) और अलीशा (18 साल) की हालत बहुत सीरियस है। दोनों करीब 35 परसेंट तक जल चुकी हैं। हादसे के बाद आसपास के लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े। उन्होंने सभी घायलों को पहले प्राइवेट अस्पतालों में पहुंचाया। बाद में कुछ लोगों को सरकारी अस्पताल में शिफ्ट किया गया। घायलों में जुलेखाबानो आफताब अंसारी (60 साल), आदिल शेख (2 साल) को कूपर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गुजरात में आतंकी हमले की साजिश नाकाम, एटीएस ने उत्तर प्रदेश के युवक को पकड़ा

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात एटीएस ने आतंकी साजिश का भंडाफोड़ किया है और एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। एटीएस ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी अल कायदा और जैश ए मोहम्मद जैसे संगठनों से प्रभावित था और एक खास संगठन के लोगों को निशाना बनाने की तैयारी कर रहा था। गुजरात एंटी टेररिस्ट स्क्वाड ने आतंकी साजिश को नाकाम करने में सफलता हासिल की है और एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। एटीएस ने बताया कि आरोपी कथित तौर पर अल कायदा जैसे आतंकी संगठनों की विचारधारा से प्रभावित है और एक खास संगठन के लोगों को निशाना बनाने की साजिश रच रहा था। एटीएस ने आरोपी के पास से हथियार भी बरामद किया है, जो उसने गैरकानूनी तरीके से हासिल किया था। क्या बताया एटीएस ने इस मामले में एटीएस ने मामले में ज्यादा जानकारी नहीं दी है, लेकिन इतना बताया कि उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के डुंडावाला का रहने वाला युवक फैजान शेख, अभी गुजरात के नवसारी जिले के चारपुल में रह रहा था। एटीएस ने रविवार को उसे एक आतंकी साजिश रचने के मामले में गिरफ्तार किया। एक एटीएस अधिकारी ने बताया, 'जैश-ए-मोहम्मद और अल कायदा जैसे आतंकी संगठनों की विचारधाराओं से प्रभावित होने के बाद, शेख ने आतंक और डर फैलाने के लिए एक खास संगठन के लोगों की हत्या करने के लिए गैर-कानूनी तरीके से हथियार और गोला-बारूद खरीदे थे।' पिछले साल नवंबर में, गुजरात एटीएस ने एक डॉक्टर सहित तीन लोगों को हथियारों और केमिकल की मदद से एक बड़ा आतंकवादी हमला करने की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

अमेरिका के दबदबे पर एक और चोट, कनाडा के बाद ये यूरोपीय देश भी चीन के साथ बढ़ा रहा व्यापारिक संबंध

लंदन (एजेंसी)। वैश्विक संबंधों और कूटनीति इन दिनों बड़े बदलावों से गुजर रही है। अमेरिका के पारंपरिक सहयोगी माने जाने वाले देश अब अमेरिका से दूर हो रहे हैं और चीन से उनकी नजदीकी बढ़ रही है। अब अमेरिका के करीबी सहयोगियों में से एक ब्रिटेन ने भी चीन से व्यापार संबंध बेहतर बनाने की शुरूआत कर दी है। वैश्विक हालात इन दिनों तेजी से बदल रहे हैं। अमेरिका का दबदबा सिमट रहा है और एक समय अमेरिका के करीबी सहयोगी ही अब उसे आंखें दिखा रहे हैं। हाल ही में कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने चीन का दौरा किया था और चीन के साथ व्यापारिक संबंध मजबूत करने की बात कही। इसे लेकर ट्रंप ने कड़ी नाराजगी जताई थी, लेकिन अब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर भी चीन दौरे पर पहुंच रहे हैं। इसे भी यूरोप के अमेरिका के पाल से दूर जाने के तौर पर देखा जा रहा है। ट्रंप की नाराजगी का डर कीर स्टार्मर और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात बुधवार को होगी। इस दौरे की अहमियत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आखिरी बार साल 2018 में किसी ब्रिटिश पीएम ने चीन का दौरा किया था और अब करीब सात साल बाद अब कीर स्टार्मर चीन पहुंच रहे हैं। इस दौरे से ब्रिटेन और

चीन अपने व्यापारिक संबंधों को बेहतर करने की कोशिश करेंगे। हालांकि चीन दौरे के चलते कीर स्टार्मर को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गुस्से का भी शिकार होना पड़ सकता है। कीर स्टार्मर से पहले कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने भी चीन का दौरा किया था। जिस पर ट्रंप ने नाराजगी जताते हुए कहा था कि अगर कनाडा ने चीन से व्यापार समझौता किया तो वे कनाडा से होने वाले आयात पर 100 फीसदी टैरिफ लगा देंगे। नहीं करने जा रहे। कभी ठंडे तो कभी गर्म रहे हैं चीन और ब्रिटेन के रिश्ते कीर स्टार्मर के साथ ही उनके व्यापार मंत्री और कई कंपनियों के प्रमुख भी चीन दौरे पर जा रहे हैं। ब्रिटेन की मंशा है कि दुनिया के दूसरे सबसे बड़े बाजार चीन में एंट्री मिले, जिससे उसकी कारों और स्कॉच व्हिस्की को बड़ा बाजार मिल सके। वहीं यूरोपीय देशों के साथ अपने संबंधों को बेहतर कर चीन अपने वैश्विक दबदबे में इजाफा करने की इच्छा रखता है। हालांकि ब्रिटेन और चीन के बीच कई मुद्दों पर मतभेद भी हैं, जिनमें रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर चीन का रूस को समर्थन देना, चीन का ब्रिटेन की जासूसी करना, हॉन्गकॉन्ग में चीन द्वारा किया जा रहा अत्याचार आदि कई वजह हैं, जिन्हें लेकर ब्रिटेन द्वारा चीन के साथ अपने संबंधों को शक की निगाह से देखा जाता है। ब्रिटेन ने भी अपने टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर से चीनी कंपनियों को निकालकर और परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में चीनी निवेश रोककर चीन को नाराज किया हुआ है। ऐसे में अब दोनों देशों के रिश्तों पर जमी बर्फ को पिघलाना आसान नहीं है, लेकिन कीर स्टार्मर के इस दौरे से शुरूआत हो सकती है।

वेनेजुएला में सैकड़ों कैदियों की रिहाई; ट्रंप ने की तारीफ, बताया- बड़ी मानवीय पहल

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने वेनेजुएला में राजनीतिक कैदियों की रिहाई की तारीफ की है। रविवार को 100 से ज्यादा कैदी रिहा हुए। मादुरो के पकड़े जाने के बाद नई नेता डेल्सी रोड्रिग्ज ने यह कदम उठाया है। ट्रंप ने कहा कि कैदियों को छोड़ने की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला में राजनीतिक कैदियों की रिहाई का स्वागत किया है। उन्होंने सोमवार को इसे एक शक्तिशाली मानवीय कदम बताया। ट्रंप ने कहा कि कैदियों को छोड़ने की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। क्या बोले ट्रंप? सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर ट्रंप ने लिखा, मुझे खुशी है कि वेनेजुएला अपने राजनीतिक कैदियों को तेजी से रिहा कर रहा है। आने वाले समय में यह रफ्तार और बढ़ेगी। उन्होंने काराकास के सहयोग के लिए भी सराहना व्यक्त करते

हुए कहा, मैं इस शक्तिशाली मानवीय कदम पर सहमत होने के लिए वेनेजुएला के नेतृत्व को धन्यवाद देना चाहता हूं। रिहाई की संख्या में हो सकती है बढ़ोतरी ट्रंप की यह टिप्पणी तब आई जब रविवार को वेनेजुएला में 100 से ज्यादा राजनीतिक कैदियों को रिहा किया गया। एक गैर-सरकारी संगठन के मुताबिक, अमेरिका के दबाव में कैदियों को धीरे-धीरे छोड़ा जा रहा है। संगठन नेपुष्टि की है कि रविवार को कुल 104 कैदी रिहा हुए। इससे पहले उसी दिन 80 राजनीतिक कैदियों को रिहा किए जाने की खबर आई थी। हालांकि, यह संख्या अभी बढ़ सकती है। मादुरो के पकड़े जाने के बाद बदला माहौल इस महीने की शुरूआत में अमेरिकी विशेष बलों ने वामपंथी नेता निकोलस मादुरो को पकड़ लिया था। इसके बाद डेल्सी रोड्रिग्ज ने वेनेजुएला की अंतरिम सरकार की कमान संभाली। उन्होंने जेल में बंद मादुरो के विरोधियों को रिहा करने का वादा किया था। परिवार जेलों के बाहर अपनों का कर रहे इंतजार रविवार को तेल कर्मियों से बात करते हुए रोड्रिग्ज ने कहा कि वेनेजुएला अब वाशिंगटन के आदेश पर नहीं चलेगा।

अफ्रीकी युवती ने बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

पेड़ के गले लगकर 72 घंटे खड़ी रहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्या की 22 वर्षीय पर्यावरण कार्यकर्ता ट्रूफेन मुथोनी ने 72 घंटे तक पेड़ को गले लगाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने यह चुनौती स्वदेशी पेड़ों की रक्षा और पर्यावरण जागरूकता के लिए ली, जिससे लोगों को प्रकृति से जुड़ने की प्रेरणा मिले। केन्या की 22 वर्षीय पर्यावरण कार्यकर्ता ट्रूफेन मुथोनी ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कर लिया है। उन्होंने लगातार 72 घंटे तक पेड़ को गले लगाकर 'सबसे लंबी मैराथन ट्री-हगिंग' का विश्व रिकॉर्ड बनाया। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अनुसार, ट्रूफेन ने यह उपलब्धि 8 दिसंबर से 11 दिसंबर 2025 के बीच हासिल की। उन्होंने न्येरी गवर्नर कार्यालय परिसर में 11 दिसंबर को दोपहर 12:25 बजे अपना रिकॉर्ड पूरा किया। ट्रूफेन का उद्देश्य जीडब्ल्यूआर की वेबसाइट के मुताबिक, ट्रूफेन ने यह चुनौती स्वदेशी पेड़ों की रक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने और आदिवासी समुदायों के

ज्ञान को सम्मान देने के उद्देश्य से ली थी। उनका मानना है कि जलवायु संकट से निपटने में स्वदेशी ज्ञान की अहम भूमिका है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने कहा कि इस रिकॉर्ड का उद्देश्य लोगों को प्रकृति से जोड़ना है, ताकि पर्यावरण संरक्षण के वल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जुनून बन सके। रिकॉर्ड की पुष्टि के बाद ट्रूफेन ने अपने फेसबुक पेज पर लिखा, कि लोगों और पृथ्वी के लिए। दूसरी बार ट्रूफेन को ट्री-हगिंग मैराथन के लिए मान्यता मिली यह दूसरी बार है जब ट्रूफेन को ट्री-हगिंग मैराथन के लिए मान्यता मिली है। इससे पहले उन्होंने नैरोबी में 31 जनवरी से 2 फरवरी 2025 के बीच 48 घंटे तक पेड़ को गले लगाकर रिकॉर्ड बनाया था।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।